

तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार



■ रायपुर,शनिवार 07 नवंबर 2026 ■ कार्तिक कृष्ण पक्ष-13 ■ वर्ष -42 ■ अंक-219 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 08 नवंबर 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

दीपोत्सव की बधाई

सुख-समृद्धि व रौशनी का पर्व दिवाली की समस्त सुधि पाठकों, शुभचिंतकों और विज्ञापनदाताओं को बधाई।

प्रधान संपादक



अवकाश सूचना

दीपावली पर्व पर सांध्य दैनिक तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस व कार्यालय में 08 एवं 09नवंबर 2026 को अवकाश रहेगा। अतः **तरुण छत्तीसगढ़** का अगला सांध्य संस्करण 10 नवंबर 2026 तथा डाक संस्करण 11 नवंबर 2026 को प्रकाशित होगा।

प्रबंधक

बंद मकान में मिली मां-बेटे की लाश

रायपुर,7 नवंबर। राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी इलाके में एक किराये के मकान से मां और बेटे के शव मिलने का मामला सामने आया है। छोटा अशोक नगर स्थित मकान में 52 वर्षीय जय जी देशमुख और उनके 25 वर्षीय बेटे हंसमुख के शव मिले हैं। दोनों पिछले करीब चार साल से यहां किराये पर रह रहे थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मां-बेटे पिछले तीन से चार दिनों से आसपास के लोगों को दिखाई नहीं दिए थे। कमरे से बदबू आने पर मामले का खुलासा हुआ। जानकारी के मुताबिक, मां-बेटे के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने और अंदर से बदबू आने की सूचना मिलने पर गुढ़ियारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो कमरे में दोनों के शव मिले। पुलिस को कमरे के अंदर महिला का शव फर्श पर मिला, जबकि बेटे का शव बिस्तर पर पड़ा था। दोनों की मौत किन परिस्थितियों में हुई, फिलहाल इसका पता नहीं चल पाया है।

मिली जानकारी के अनुसार, जय जी देशमुख ऑनलाइन टीचिंग का काम करती थीं। वहीं, उनका बेटा हंसमुख लंबे समय से बीमार था और उसका इलाज चल रहा था। दोनों के पिछले कुछ दिनों से बाहर नहीं दिखने के बाद भी किसी को उनकी स्थिति की जानकारी नहीं थी। घटना की सूचना के बाद फॉरेंसिक साइंस लैब (FSL) की टीम भी मौके पर पहुंची। टीम ने कमरे की जांच कर जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं। गुढ़ियारी थाना पुलिस मौके पर मौजूद है और मामले की जांच कर रही है। फिलहाल मां-बेटे की मौत की असली वजह स्पष्ट नहीं हुई है। पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

करंट से पिता-पुत्र के बाद मां की भी मौत

बलौदाबाजार,7 नवंबर। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार में शुक्रवार को करंट लगने से पिता-पुत्र की मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से झुलसी महिला ने भी आज इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। इस घटना ने अब पूरे परिवार की दिपावली की खुशियों को मातम में बदल दिया है। वहीं गंभीर रूप से घायल वर्षा को जिला चिकित्सालय में प्राथमिक इलाज के बाद रायपुर रिफर किया गया था, जहां उनका निजी अस्पताल में इलाज जारी था। आज सुबह ही उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस घटना से अब पूरे इलाके और परिवार में शोक की लहर है।



रायपुर 7 नवंबर.मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज लोकभवन में राज्यपाल श्री रमेन डेका से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें दीपावली के पावन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।



नई दिल्ली.लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपने निवास 5, सुनहरी बाग रोड पर आयोजित "दीपावली मिलन" समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर यूपीए की चेयरपर्सन व सांसद श्रीमती सोनिया गांधी, कांग्रेस महासचिव व सांसद श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्रा, छत्तीसगढ़ प्रभारी व सांसद सुखदेव भगत सहित देशभर से आए वरिष्ठ नेताओ व साथियों एवं गणमान्यजनों से आत्मीय मुलाकात हुई.

हाइवा की चपेट में आने से युवक की मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने शव रखकर किया चक्काजाम

आरंग,7 नवंबर। आज सुबह आरंग-भिलाई मुख्य मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है, जहां तेज रफ्तार हाइवा ने युवक को टक्कर मार दी। इस हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया और मुआवजे के साथ सुरक्षा की मांग को लेकर उन्होंने नयापारा रोड पर चक्काजाम कर दिया। जानकारी के अनुसार, यह घटना शनिवार सुबह करीब 6 बजे के आसपास हुआ है। मृतक की पहचान मनोज धीवर (35 वर्ष) के रूप में हुई है। मनोज सुबह के समय नहाने के लिए जा रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार हाइवा ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने सुबह से ही चम्पारण रोड पर जाम लगा दिया, जिसके चलते मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। ग्रामीण मृतक के परिवार के लिए उचित मुआवजे और मार्ग पर भारी वाहनों की गति पर नियंत्रण के साथ सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने की मांग कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही आरंग तहसीलदार और पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए। प्रशासन की टीम आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कराने और उन्हें उचित समझाइश देने का प्रयास कर रही है। स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल भी मौके पर तैनात किया गया है।

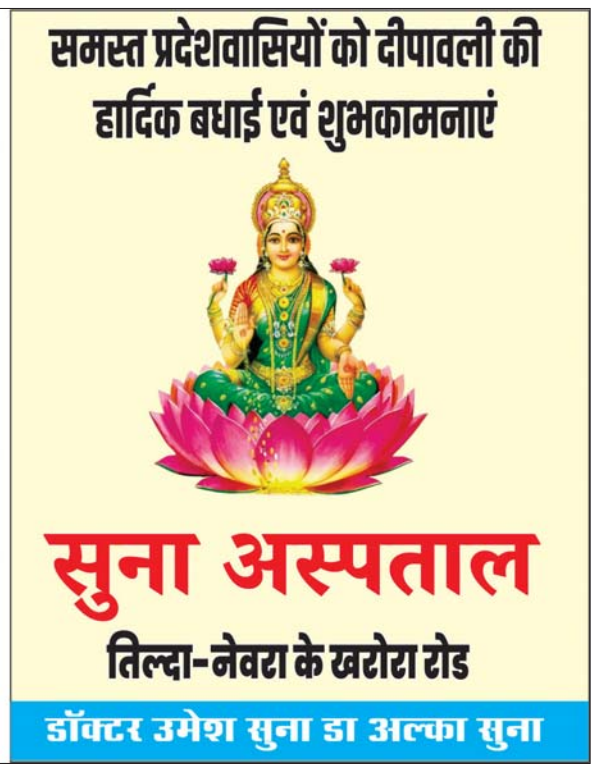






















धन्वंतरि महोत्सव परंपरा और संस्कारों के संरक्षण का सशक्त माध्यम : विजय बघेल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 7 नवंबर। छत्तीसगढ़ के प्रथम धन्वंतरि मंदिर परिसर में धन्वंतरि महोत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम वार्षिक स्नेह सम्मेलन, पंचम वार्षिकोत्सव तथा ओम साई संस्कृति उत्तर धमधा विद्यालय के चतुर्थ वार्षिकोत्सव के अवसर पर आयोजित हुआ।

मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने भगवान धन्वंतरि की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने लक्ष्मी, काली एवं सरस्वती माता



के मंदिर तथा शिवशक्ति काटा मंदिर में भी दर्शन किए। आयोजन समिति ने सांसद का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिह्न भेंटकर स्वागत किया। वहीं सांसद ने कल्याण सिंह चौहान को प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। सुवा नृत्य प्रस्तुत करने वाले ब्रीजापुर दल को सांसद ने पुरस्कृत किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके बाद सभी ने महाप्रसादी ग्रहण की। अपने संबोधन में सांसद विजय बघेल ने कहा कि भगवान धन्वंतरि सभी को स्वस्थ एवं निरोगी रखें तथा प्रत्येक परिवार में सुख-समृद्धि और खुशहाली आए। छत्तीसगढ़ के प्रथम धन्वंतरि मंदिर का निर्माण और यहां धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों की परंपरा सराहनीय है। ऐसे आयोजन हमारी संस्कृति, परंपराओं और नई पीढ़ी में संस्कारों के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में कल्याण सिंह चौहान, नरेश साहू, पवन देवांगन, लोकेन्द्र ब्रह्मभट्ट, वीर ताम्रकार, श्वेता प्रशांत अग्रवाल, तुलसी पटेल, श्वेता शर्मा, सुंदर लाल साहू, राजेश कुमार राजपूत सहित अनेक जनप्रतिनिधि, ग्रामीण जन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

धनतेरस पर कृषक सदस्यों को 4 .62 लाख का लाभांश वितरण किया गया



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 7 नवंबर। लाभांश वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिश सह. के. बैंक के अध्यक्ष श्रीप्रीतपालबेलचंदनजी, अध्यक्षता वृ ह. सह . समिति मर्या. उतई के प्राधिकृत फत्ते लाल वर्मा जी विशेष अतिथि उपाध्यक्ष माननीय श्री नरेश यदु जी, अति विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमति सरस्वती नरेन्द्र साहू पूर्व अध्यक्ष नगर पंचायत उतई मान जीवन साहू जी, पूर्व अध्यक्ष वृह . सह . समिति उतई रुप नारायण शर्मा जी थे।

प्रारंभ में अतिथियों के द्वारा कृषक देवता भगवान बलराम के तैलचित्र पर पूजा के बाद कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ कार्यकम का संचालन प्रबंधक गिरधर सोनी द्वारा किया गया व संस्था की गतिविधियों के बारे में अवगत कराया प्राधिकृत श्री फत्ते लाल वर्मा के द्वारा कृषकों के लिए की जा रहीं कार्य को अवगत कराया गया मुख्य अतिथि प्रीतपाल बेलचंदन के द्वारा लाभांश वितरण को ऐतिहासिक कदम बताया उनके द्वारा समिति में किया जा रहा कार्य व स्थिति कों देखकर काफी प्रशंसा किया गया कृषक हित में लिया गया बहुत बड़ा कदम बताया । कार्यक्रम में अश्वनी वर्मा , सेऊकराम साहू , कंवल गायकवाड श्रीमति टिकेश्वरी साहू श्रीमति रेखा वर्मा श्रीमति देवकीबाई घनश्याम चंद्राकर हरिश यादव प्रवीण यदु संतोष साहू हरिशंकर राव सहित कृषक व कर्मचारी गण उपस्थित थे आभार प्रदर्शन गोविंद साहू द्वारा किया गया

एक नजर

पुलिस ने 48 जुआरियों को पकड़ा

भिलाई, 7 नवंबर (तछसं.)। अलग-अलग थाना क्षेत्रों से जुआ खेल रहे 48 जुआरियों पर पुलिस ने कार्रवाई की है। जुआरियों के पास से पुलिस ने 83 हजार 410 रुपए और ताश पत्ती जब्त की है। एएसपी मणिशंकर चंद्रा ने बताया कि थाना नेवई, मोहन नगर, खुर्सीपार, धमधा, अमलेश्वर, उतई, नंदिनी, बोरी से जुआ खेल रहे 48 जुआरियों पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने 5-6 नवंबर को जिले भर में अभियान चलाकर जुआ खेलने वालों पर कार्रवाई किया है। पुलिस ने कुल 12 जुआ प्रकरणों में 48 जुआरियों को पकड़ा गया है। जिसमें प्रवीण मरकाम, नुहर यादव, धर्मेंद्र देवांगन, ओमप्रकाश यादव, श्रवण कुमार, अमित कुमार, चुरावन साहू, निलेश साहू, सुरेश ध्रुव, कैलाश चेलक, टाकेश्वर साहू, भास्कर महरिया अन्य जुआरियों शामिल हैं। जुआरियों को बीआरपी चौक नेवई बस्ती, मोहन नगर कैलाश नगर शिव मंदिर के पीछे, आदित्य नगर दुर्ग, थाना खुर्सीपार शासकीय स्कूल के पास एवं बाबा बालकनाथ मंदिर, धमधा तालाब पार, तालाब क्षेत्र, अमलेश्वर नया बाड़ा चौक, पहंदा, उतई दुर्गा मंच के सामने, छाता, नंदिनी ग्राम देउरझाल तालाब के पास, बोरी ग्राम ढाबा तालाब के पास से जुआरी पकड़े गए ।

सूने घर में ताला तोड़कर चोरी

भिलाई, 7 नवंबर (तछसं.)। दुर्ग अंजोरा चौकी पुलिस ने बताया कि प्रार्थी रामदेव राम भगत राजहरा माइंस से एजीएम के पद से रिटायर्ड है उसके मकान के बगल में फूला देवी हीरालाल सरोज का मकान है दोनों पति-पत्नी 25 अक्टूबर की शाम को अपनी बेटी के घर आगरा गए हुए हैं उनके घर के बाहर में गेट में ताला लगा हुआ था उनके घर में काम करने आई बाई कुलेश्वरी साहू ने प्रार्थी को जानकारी दी कि घर के बाउंड्रीवाल के गेट का ताला लगा हुआ है, परंतु घर के मेन गेट का ताला टूटा हुआ है यह बताने पर प्रार्थी आसपास के और लोगों के साथ जाकर पड़ोसी के घर को देखा तो में गेट का ताला कुंडी सहित टूटा हुआ था। इस पर प्रार्थी ने मकान मालिक हीरालाल सरोज को मोबाइल से उनके घर का ताला टूटने के संबंध में जानकारी दी इस पर हीरालाल सरोज ने उन्हें अंदर जाकर देखने के लिए कहा प्रार्थी ने अंदर जाकर देखा तो सभी आलमारी का ताला टूटा हुआ था और सामान बिखरा हुआ था पुलिस मामले की जांच कर रही है ।

घर का ताला तोड़कर जेवरात की चोरी

भिलाई, 7 नवंबर (तछसं.)। कृषि विभाग कलेक्ट्रेट के पीछे दुर्ग में चौकीदारी का काम करने वाले प्रार्थी के पिता के घर में अज्ञात आरोपी ने बैंड घर का ताला तोड़कर सोने चांदी के जेवरात की चोरी कर ली पुलिस ने बताया कि प्रार्थी राज यादव ने शिकायत दर्ज कराई है कि 5 नवंबर की सुबह 8 बजे उसके पिताजी मधुर सिंह यादव घर में ताला लगाकर उसकी मां को लेकर पोल्ट्री फार्म केंद्रीय जेल दुर्ग गए हुए थे11 बजे मधुर सिंह यादव वापस घर आए तो देखा सामने गेट का ताला लगा हुआ था परंतु मेन गेट का ताला टूटा हुआ था अंदर जाकर देखे तो घर का सामान बिखरा पड़ा हुआ था कमरे के अंदर अलमारी में रखे सोने की एक जोड़ी बाली, सोने की एक नग नाक की नथनी, दो चांदी की पायल गायब थी शिकायत के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तीन लोग हथियार सहित पकड़े गए

भिलाई, 7 नवंबर (तछसं.)। भिलाई सुपेला टीआई एसएन सिंह ने बताया कि सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पेट्रोलिंग टीम ने अलग-अलग स्थानों से घेराबंदी कर जिम गार्डन नेहरू नगर के पास से कुलदीप उर्फ बगीरा (चापड़), आरके ग्राउंड राधिका नगर से समाउल हक अंसारी (गंडासा), लाल मैदान फरीद नगर से संतोष प्रसाद उर्फ टकला (गंडासा) और संदीप सोनकर उर्फ गोरखा को फरसे के साथ पकड़ा ।

परियोजना पसान अंतर्गत आंगनबाड़ी सहायिका पद पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित

कोरबा 7 नवंबर । एकीकृत बाल विकास परियोजना पसान अंतर्गत आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु आवेदन पत्र 11 नवंबर से 26 नवंबर 2026 तक आमंत्रित किये गये हैं।एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय पसान से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पसान के आंगनबाड़ी केन्द्र बोकमुड़ी एवं ग्राम तनेरा के आंगनबाड़ी केन्द्र बिलासपुर मोहल्ला में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु आवेदन पत्र मंगाये गये हैं।

जिला न्यायालय में पुलिस सहायता केंद्र शुरू

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 7 नवंबर। जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में पुलिस सहायता केंद्र प्रारंभ किया गया है। शुक्रवार, 6 नवंबर को प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश शेख अशरफ प्रथम, कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने फीता काटकर केन्द्र का शुभारंभ किया।

इस पुलिस सहायता केंद्र के माध्यम से न्यायालय पहुंचने वाले नागरिकों को एफआईआर की प्रति प्राप्त करने, सम्मन एवं वारंट संबंधी जानकारी, पुलिस सत्यापन तथा ई-फाइलिंग प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन मिलेगा। इसके अलावा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से पात्र जरूरतमंद



व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी। उद्घाटन समारोह में तृतीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश यशवंत कुमार सारथी, चतुर्थ जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती सुनीता टोप्पो, अष्टम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश पुरुषोत्तम सिंह मरकाम, नवम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश पंकज दीक्षित, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव उमेश कुमार भागवतकर सहित विभिन्न न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग के अध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा, सचिव रविशंकर सिंह, कोषाध्यक्ष साकेत मिश्रा, सदस्य रविशंकर मानिकपुरी सहित पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी और अधिवक्तागण भी शामिल हुए।

दीपावली पर यातायात व्यवस्था सुधारने निगम की पहल



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 7 नवंबर। दीपावली पर्व के मद्देनजर नगर निगम ने शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए बाजारों एवं प्रमुख मार्गों पर अभियान शुरू किया है। निगम की टीम दुकानदारों को सड़क तक सामान फैलाकर नहीं रखने तथा निर्धारित सीमा के भीतर ही व्यापार करने की समझाइश दे रही है। निगम अधिकारियों ने दुकानदारों से अपनी दुकानों के सामने बेतरतीब वाहन पार्किंग रोकने की भी अपील की है, ताकि आवागमन बाधित न हो और जाम एवं दुर्घटनाओं की आशंका कम की जा सके। दीपावली के दौरान बाजारों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए निगम प्रशासन ने व्यापारियों से सड़क एवं फुटपाथ खाली रखने तथा यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है, जिससे नागरिकों को खरीदारी के दौरान आवागमन में परेशानी न हो।

नवीन शासकीय महाविद्यालय मैनपुर में प्रश्नोत्तरी एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित

गरियाबंद, 7 नवम्बर । नवीन शासकीय महाविद्यालय मैनपुर में आज निर्वाचन साक्षरता क्लब (इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब) एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में प्रश्नोत्तरी एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, मतदाता जागरूकता और निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति समझ विकसित करना था। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा और ज्ञान का प्रदर्शन किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में 24 विद्यार्थियों तथा निबंध प्रतियोगिता में 14 विद्यार्थियों ने सहभागिता निभाई।

बीएसपी में नवीनीकृत ऑनलाइन एनआरएल मॉड्यूल शुरू



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 7 नवंबर। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 2026 के अनुरूप अपने ई-सहयोग पोर्टल पर नवीनीकृत ऑनलाइन नॉन-रिफंडेबल लोन (एनआरएल) मॉड्यूल शुरू किया है। इसका उद्देश्य कर्मचारियों के लिए भविष्य निधि से अग्रिम निकासी की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाना है। मॉड्यूल का शुभारंभ कार्यपालक निदेशक प्रवीण निगम तथा कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने संयुक्त रूप से किया। पवन कुमार ने बताया कि भिलाई इस्पात संयंत्र, नवीनीकृत ऑनलाइन मॉड्यूल के माध्यम से ईपीएफ योजना, 2026 लागू करने वाली सेल की पहली इकाई बन गई है।

38 साल बाद जुबली हॉल पहुंचकर ताजा हुईं यादें:जैन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 7 नवंबर। शिक्षाविद् एवं सचदेवा न्यू पी.टी. कॉलेज के डायरेक्टर चिरंजीव जैन ने लगभग 38 वर्षों बाद अपने पुराने हॉस्टल जुबली हॉल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने वहां वर्तमान में रह रहे विद्यार्थियों से मुलाकात की और अपने छात्र जीवन की पुरानी यादों को ताजा किया। इस खास अवसर पर जुबली हॉल के पुराने एलुमनाई एवं उनके मित्र संजय चड्ढा भी पहुंचे। चिरंजीव जैन ने बताया कि उन्होंने संजय चड्ढा को पहले ही अपने जुबली हॉल जाने की जानकारी दी थी। इस पर संजय चड्ढा ने भी साथ चलने की इच्छा जताई। दोनों ने एक साथ हॉस्टल में डिनर किया और पुराने दिनों की यादें साझा कीं। इस दौरान आलोक कश्यप, अफजल भाई, विजय प्रकाश एवं चितरंजन खेतान से भी मोबाइल वीडियो



कॉल के माध्यम से बातचीत हुई। चिरंजीव जैन अपने पुराने कमरे, रूम नंबर 187 में भी पहुंचे। कमरे और हॉस्टल के माहौल को देखकर उन्हें ऐसा लगा मानो समय वहीं ठहर गया हो और छात्र जीवन की यादें फिर से जीवंत हो उठी हों। इस मुलाकात का एक विशेष संयोग यह भी रहा कि दो दिन पहले ही यूपीएससी मुख्य परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ था। इस अवसर पर यूपीएससी में चयनित कुछ विद्यार्थी भी जुबली हॉल में मौजूद थे। चिरंजीव जैन ने कहा कि करीब 38 वर्षों बाद अपने पुराने हॉस्टल लौटना उनके लिए बेहद भावुक और आनंददायक अनुभव रहा।

दीपावली पर महापौर अलका बाघमार ने कातुलबोर्डवासियों को दी रोशनी की सौगात

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दुर्ग, 7 नवंबर। नगर पालिक निगम।धनतेरस एवं दीपावली के पावन पर्व पर नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहरवासियों को रोशनी की सौगात दी गई। इसी क्रम में पटरीपार वार्ड क्रमांक 60 अंतर्गत कातुलबोर्ड चौक एवं प्रमुख मार्ग पर 27 लाख रुपये की लागत से 72 विद्युत पोलों पर आधुनिक लाइटें लगाई गई हैं। महापौर अलका बाघमार ने नागरिकों की उपस्थिति में स्विच दबाकर लाइटों का शुभारंभ किया। लाइटों से पूरा मार्ग रोशनी से जगमगा उठा।इस पहल का उद्देश्य प्रमुख मार्ग पर रात्रि के समय पर्याप्त रोशनी उपलब्ध कराना, यातायात को सुगम बनाना तथा राहगीरों और वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। त्योहारी अवसर पर क्षेत्र को रोशनी से जगमगाता देख नागरिकों में उत्साह का माहौल रहा। इस दौरान महापौर ने क्षेत्रवासियों एवं शहरवासियों को धनतेरस और दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि त्योहार खुशियों, उमंग और प्रकाश का प्रतीक है। नगर निगम का प्रयास है कि शहर के प्रत्येक वार्ड में नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। महापौर ने कहा कि शहर के प्रमुख मार्गों और नागरिकों की आवाजाही वाले क्षेत्रों में प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। पर्याप्त रोशनी से न केवल आवागमन सुविधाजनक होगा, बल्कि रात्रि के समय नागरिकों को सुरक्षित वातावरण भी मिलेगा। इसी कड़ी में आईआईटी पार्क क्षेत्र में भी लगभग 10 लाख रुपये की लागत से आधुनिक लाइटें लगाई जाएंगी, जिससे वहां की प्रकाश व्यवस्था और बेहतर होगी।इस अवसर पर लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, विद्युत विभाग प्रभारी ज्ञानेश्वर ताम्रकर,एमआईसी शेखर चन्द्राकर,पार्षद नीरा खिचरिया, रंजीता पाटिल,जिला भाजपा प्रवक्ता अरुण सिंह, मंडल अध्यक्ष मनमोहन शर्मा, जयश्री राजपूत सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के नागरिकगण उपस्थित रहे।

जनजातीय गौरव दिवस पर जिले में होंगे विविध आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

गरियाबंद 7 नवंबर। जनजातीय गौरव परंपरा संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों के योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से जिले में 11 से 18 नवंबर तक जनजातीय गौरव सप्ताह मनाया जाएगा। वहीं 15 नवंबर 2026 को जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का गरिमामय आयोजन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास विभाग द्वारा जारी दिशा.निर्देशों के अनुरूप जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आयोजन की आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने तथा सभी कार्यक्रमों को सुव्यवस्थित एवं गरिमामय ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए हैं।

जनजातीय गौरव सप्ताह के दौरान जिले में जनजातीय विषयों पर आधारित संगोष्ठी एवं सेमिनार आयोजित किए जाएंगे। जनजातीय क्रांतियों के नायकों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवारों के सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही प्रमुख जनजातियों एवं उपजनजातियों के प्रतिनिधियों का भी सम्मान किया जाएगा। जनजातीय महापुरुषों की प्रतिमाओं एवं स्मारक स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाकर दीप प्रज्ज्वलन किया जाएगा। सप्ताह के दौरान जिला स्तरीय उत्तर छत्तीसगढ़ क्षेत्र जनजातीय लोक नृत्य महोत्सव ;करमा महोत्सवद्ध तथा शहीद वीर नारायण सिंह लोक कला महोत्सव के अंतर्गत नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके माध्यम से जनजातीय लोककलाए पारंपरिक नृत्य और सांस्कृतिक विरासत को मंच प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा जनजातीय विकास प्रदर्शनीए हस्तशिल्पए कला.शिल्पए पारंपरिक व्यंजन और पुस्तक मेले का आयोजन किया जाएगा। पारंपरिक जनजातीय वाद्य यंत्रों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

जनजातीय विषयों पर आधारित जिला स्तरीय चित्रकला एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिताओं में जनजातीय जीवनशैलीए परंपराओंए संस्कृतिए लोककला और ऐतिहासिक विरासत को प्रदर्शित करने के अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही चित्रकला एवं फोटोग्राफी प्रदर्शनी और पुरस्कार वितरण समारोह भी आयोजित किया जाएगा। जिला मुख्यालय में जनजाति स्वाभिमान सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें जनजातीय कला एवं संस्कृति की प्रदर्शनी और विभिन्न विभागों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी देने के लिए स्टॉल लगाए जाएंगे। जनजातीय समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियोंए उपलब्धियों और शासन की योजनाओं से संबंधित जानकारी का प्रतिदिन सोशल मीडिया सहित विभिन्न माध्यमों से प्रचार.प्रसार किया जाएगा। जनजातीय विषयों पर आधारित जनजागरूकता गतिविधियां भी संचालित की जाएंगी।कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करनेए आयोजन स्थलों की व्यवस्थाए प्रतिभागियों की सहभागिता तथा आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस और सप्ताह के आयोजन में जनजातीय समाज की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। परंपराओं को व्यापक पहचान मिल सके।

अब मोबाइल एप से मिलेगा खाद, टोकन और क्यूआर कोड से होगा उर्वरक वितरण

कवर्धा, 7 नवंबर। जिले में किसानों को रासायनिक उर्वरक पारदर्शी, सुगम और निर्धारित दर पर उपलब्ध कराने के लिए फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल (एफएफएस) व्यवस्था लागू की गई है। इस नई व्यवस्था के तहत अब किसानों को मोबाइल एप से जनरेट टोकन एवं क्यूआर कोड के माध्यम से खाद का वितरण किया जाएगा। जिले के सभी विकासखंडों में इस प्रणाली के तहत उर्वरक का उठाव प्रारंभ हो गया है। नई व्यवस्था के अनुसार किसानों को एफएफएस मोबाइल एप में अपनी कृषि भूमि का रकबा और बोई गई फसल का विवरण दर्ज करना होगा। इसके बाद आवश्यक उर्वरक की मात्रा और विक्रेता का चयन कर टोकन एवं क्यूआर कोड के माध्यम से खाद प्राप्त कर सकेंगे। किसान अपनी सुविधा के अनुसार नजदीकी सहकारी समिति अथवा निजी उर्वरक विक्रेता से खाद ले सकेंगे।

इस डिजिटल व्यवस्था से उर्वरक की मांग, उपलब्धता, निर्धारित दर पर बिक्री और वितरण का पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन संधारित होगा। इससे किसानों को खाद प्राप्त करने में सुविधा मिलेगी और वितरण प्रणाली में पारदर्शिता आएगी। साथ ही उर्वरकों की कालाबाजारी, अवैध भंडारण और अनियमित वितरण पर प्रभावी नियंत्रण करने में भी मदद मिलेगी। उप संचालक कृषि ने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य किसानों को उनकी फसलों की आवश्यकता के अनुरूप समय पर उर्वरक उपलब्ध कराना तथा खाद वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाना है।

शहर के विकास कार्यों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 7 नवंबर। कवर्धा शहर को सुव्यवस्थित, स्वच्छ, सुंदर और नागरिक सुविधाओं से युक्त बनाने के उद्देश्य से शहर में विभिन्न विकास एवं सौंदर्यीकरण के कार्य किए जा रहे हैं। इन कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लेने के लिए कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित विकास स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कार्यों की वर्तमान स्थिति, निर्माण की प्रगति और आगामी कार्ययोजना की जानकारी ली। उन्होंने सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्री चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल के सामने प्रस्तावित शिव वाटिका और पुराने जिला अस्पताल में पब्लिक गार्डन के लिए स्थल का अवलोकन कलेक्टर ने जिला अस्पताल के सामने प्रस्तावित शिव वाटिका के स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थल की उपलब्धता और प्रस्तावित विकास कार्यों के संबंध में जानकारी ली। इसके साथ ही पुराने जिला चिकित्सालय परिसर में प्रस्तावित पब्लिक गार्डन के स्थल का भी जायजा लिया। उन्होंने शहरवासियों को बेहतर सार्वजनिक स्थल और हरियाली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इन स्थलों के विकास की योजना को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।लगभग सवा दो करोड़ की लागत से बन रही चौपाटी का काम अंतिम चरण मे कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने नगर पालिका कार्यालय के सामने निर्माणाधीन चौपाटी का निरीक्षण किया। लगभग सवा दो करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रही यह चौपाटी निर्माण के अंतिम चरण में है। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का अवलोकन करते हुए शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। चौपाटी के विकसित होने से शहरवासियों को खानपान और परिवार के साथ समय बिताने के लिए एक व्यवस्थित सार्वजनिक स्थल उपलब्ध हो सकेगा। कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने राजनांदगांव बायपास से नवीन बाजार तक लगभग 10.73 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन गौरव पथ का निरीक्षण किया। उन्होंने सड़क निर्माण की प्रगति और संबंधित कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। गौरव पथ के निर्माण से शहर की यातायात व्यवस्था और आवागमन को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। कलेक्टर ने समनापुर स्थित पुराने एसएलआरएम (सॉलिड लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट) केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र की वर्तमान स्थिति और संचालन से संबंधित जानकारी ली। उन्होंने ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा उपलब्ध संसाधनों का उपयोग सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। शहर में स्थापित गौधाम का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने गोवंश के लिए चारा और घास की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि आसपास के गांवों में उपयुक्त भूमि का चिन्हांकन कर उसे घास उत्पादन के लिए आरक्षित कराया जाए।

एक नजर

अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग ने की बड़ी कार्रवाई

राजनांदगांव 7 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार अवैध मदिरा निर्माण, परिवहन, भंडारण एवं अवैध शराब विक्रेताओं के विरूद्ध जिले में लगातार कार्रवाई की जा रही है। सहायक आयुक्त आबकारी श्री राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि आबकारी विभाग द्वारा जिले में 1 अप्रैल से 31 अक्टूबर 2026 तक अवैध मदिरा निर्माण, परिवहन, भंडारण एवं विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के लगातार कार्रवाई की गई। इस अवधि में आबकारी विभाग द्वारा कुल 521 प्रकरण दर्ज किये गए। जिनमें गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 516, कुल छत्तीसगढ़ राज्य जप्त मदिरा 1016.05 बल्क लीटर, अन्य प्रान्त की जप्त मदिरा 1080.13 बल्क लीटर, गैर-जमानती धाराओं के अंतर्गत दर्ज प्रकरण 36 है। अवैध मदिरा के परिवहन में प्रयुक्त कुल 4 वाहनों को जप्त किया गया। अन्य प्रान्त की अवैध मदिरा के परिवहन एवं संग्रहण के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए 1080.13 बल्क लीटर मदिरा जप्त की गई। गंभीर प्रकृति के अवैध मदिरा संबंधी मामलों में गैर जमानती धाराओं के अंतर्गत कुल 36 प्रकरण दर्ज किये गये। विभिन्न कार्रवाई में कुल 516 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। सहायक आयुक्त आबकारी ने बताया कि आबकारी विभाग द्वारा जिले की समस्त मदिरा दुकानों में सतत निगरानी रखी जा रही है। उडनदस्ता टीम एवं आबकारी टीम राजनांदगांव द्वारा नियमित निरीक्षण एवं जांच करते हुए निर्धारित दर से अधिक दर पर मदिरा विक्रय (ओवर रेटिंग) के विरूद्ध कार्रवाई की गई। इस दौरान ओवर रेटिंग के कुल 5 प्रकरण दर्ज किये गये। अवैध शराब निर्माण, परिवहन एवं विक्रय अथवा मदिरा दुकानों से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत होने पर नागरिक आबकारी विभाग के टोल फ्री नंबर 14405 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते है। आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के कारोबार पर अंकुश लगाने, शासन के राजस्व की सुरक्षा करने तथा मदिरा दुकानों में निर्धारित दर एवं नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए निरंतर प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी।

धान खरीदी में लापरवाही बरतने वाले 13 कर्मचारियों को खरीदी कार्य से किया गया पृथक

बलौदाबाजार, 7 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले के 13 उपार्जन केंद्र जहां अप्रत्याशित कमी एवं अनियमितता पाई गई थी उन उपार्जन केंद्र के कंप्यूटर ऑपरेटर एवं उपार्जन केंद्र प्रभारियों पर प्रशासनिक कार्यवाही की गई है एवं इस वर्ष धान खरीदी कार्य से पृथक रखा गया है। खाद्य अधिकारी पुनित वर्मा ने बताया कि विगत वर्ष धान खरीदी मे लापरवाही बरतने वाले ऐसे 9 प्रभारियों को सेवा से पृथक कर दिया गया है एवं शेष 4 अन्य के विरुद वसूली की कार्यवाही की जा रही है द्य इनमे मनोहरा, केसली, कामता, निपनिया, बिटकुली, खैरा, सिंगारपुर, कर्मदा, छेरकापुर, छेरकापुर, खरतोरा, करहीबाजार, मोहभटटा उपार्जन केंद्र के कर्मचारी हैं। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आगामी 15 नवम्बर से शुरु होने वाले धान खरीदी में सम्पूर्ण तैयारी कर ली जाए। धान खरीदी कार्य में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित किया जाए।धान खरीदी में गड़बड़ी या अनियमितता पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

डिजिटल और पेपरलेस विधानसभा की ओर छत्तीसगढ़ का बड़ा कदम

रायपुर, 7 नवंबर। छत्तीसगढ़ विधानसभा को आधुनिक तकनीक से लैस करने तथा इसकी कार्यप्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, सुगम, सुव्यवस्थित और पेपरलेस बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक और अहम कदम उठाया है। इसी उद्देश्य के तहत राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन के प्रभावी क्रियान्वयन और सुचारू उपयोग को लेकर आयोजित दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य विधानसभा के अधिकारियों और कर्मचारियों को NeVAÓk एप्लीकेशन की तकनीकी एवं व्यावहारिक बारीकियों से अवगत कराना था, ताकि विधायी कार्यों में डिजिटल संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके।

7 नई नौकाओं का महापौर ने पूजन कर आम जनता को किया समर्पित

टॉय ट्रेन भी जल्द होगी शुरू, रानी सागर के पुराने वैभव को लौटाने निगम की पहल

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



राजनांदगांव 7 नवंबर। रानी सागर के पास स्थित शहर के ऐतिहासिक एवं प्रमुख पर्यटन स्थल पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य उपवन (चैपाटी) में आज 7 नवीन नौकाओं का महापौर श्री मधुसूदन यादव द्वारा विधिवत पूजन कर उन्हें आम जनता के लिए समर्पित किया गया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री जी.एस. मरकाम सहित निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य श्री सावन वर्मा व श्री राजा माखीजा, पार्षदगण श्री रवि सिन्हा, श्री सतीश साहू, पार्षद प्रतिनिधि श्री पंकज कुरंजेकर व श्री राजेश यादव की विशेष उपस्थिति रही।

इस अवसर पर महापौर मधुसूदन यादव ने दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नई नौकाओं के आ जाने से आम जनता, विशेषकर बच्चों और परिवारों में खुशी का माहौल है। नगर निगम का प्रयास है कि रानी सागर जैसे ऐतिहासिक धरोहर स्थल का चरणबद्ध तरीके से नवीनीकरण कर उसे पुनः पुराने वैभव और आकर्षण की ओर ले जाया जाए। उन्होंने बताया कि चैपाटी में लंबे समय से बंद पड़ी टॉय ट्रेन को पुनः प्रारंभ करने की तैयारी भी पूरी कर ली गई है। इसके शुरू होने से बच्चों एवं नागरिको के लिए एक नया आकर्षण जुड़ेगा और रानी सागर में लोगों की आवाजाही बढ़ेगी। इसके अलावा आवश्यक मरम्मत कर उपवन को मूर्तरूप देने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 13 मौलश्री पौधे तथा 10 नारियल पौधे का रोपण किया गया। यह पहल शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं हरित बनाने के संकल्प का प्रतीक है। महापौर ने कहा कि नगर निगम शहर की ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित करने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि रानी सागर पुनः शहरवासियों के मनोरंजन, पर्यटन और आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन सके।

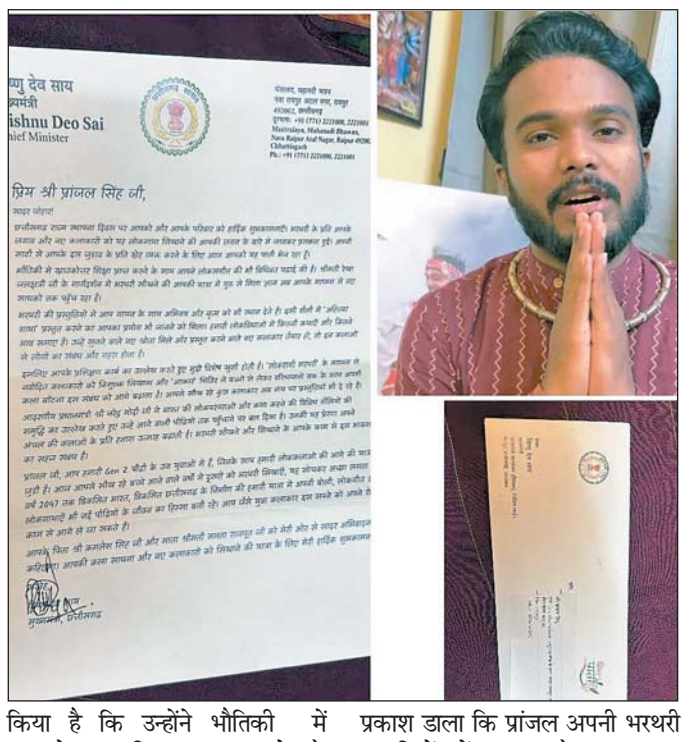
आयुक्त श्री मरकाम ने कहा कि उपवन (चैपाटी) के पाथवे का मरम्मत कर लक्ष्मण झुला,जीम उपकरण एवं बच्चो झुला आदि भी दुरूस्त किया गया है। इसके अलावा कबाड से जुगाड के तहत अनुपयोगी समाग्री से निर्मित शेर लगाया गया है, उक्त स्थल को शेल्फी पाईट के रूप में विकसित किया गया है। उन्होंने बताया कि उपवन में रंग रोगन व पौधो की ट्रीमिंग कर नागरिको की सुविधा के लिए पुष्पवाटिका में सर्वसुविधायुक्त आकाक्षी शौचालय का भी निर्माण किया गया है। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता श्री दीपक खाण्डे, राजस्व अधिकारी श्री मोबिन अली,समाज कल्याण अधिकारी श्री भूपेन्द्र वाडेकर, प्र.स्वास्थ्य अधिकारी श्री राजेश मिश्रा सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ी लोककला और संस्कृति के संरक्षण में प्रांजल सिंह का योगदान सराहनीय: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर, 7 नवंबर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोककला, संस्कृति और पारंपरिक विधाओं को सहेजने तथा उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए समर्पित रायपुर के युवा लोककलाकार श्री प्रांजल सिंह राजपूत के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का एक स्नेहिल पत्र असीम प्रेरणा और खुशियों की सौगात लेकर आया है। मुख्यमंत्री द्वारा प्रांजल की कला साधना, शिक्षा और भरथरी लोकगायन के संरक्षण-संवर्धन के प्रयासों की सराहना किए जाने के बाद से युवा कलाकार बेहद गदगद और भावुक हैं।

मुख्यमंत्री का पत्र प्राप्त होने पर अपनी खुशी साझा करते हुए प्रांजल सिंह ने कहा, ÷मुख्यमंत्री जी की पाती मिलना मेरे और मेरे परिवार के लिए बेहद भावुक और गौरव का क्षण है। उन्होंने न केवल मेरी कला को बल्कि मेरी शिक्षा को भी सराहा है। आज उनका पत्र पाकर मेरा मन गदगद हो गया है और यह मेरे जीवन का एक अविस्मरणीय पल है। मुख्यमंत्री जी का यह स्नेह और प्रोत्साहन मुझे छत्तीसगढ़ी लोककला को और अधिक समर्पित भाव से आगे बढ़ाने के लिए नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने पत्र में प्रांजल सिंह की बहुमुखी प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए उल्लेख



किया है कि उन्होंने भौतिकी में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद लोकसंगीत की विभिन्न विधाओं को जीवंत रखा है। श्रीमती रेखा जलक्षत्री के मार्गदर्शन में भरथरी सीखने की उनकी यह कला यात्रा अब अन्य नवोदित साधकों तक भी पहुंच रही है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर विशेष प्रकाश डाला कि प्रांजल अपनी भरथरी प्रस्तुतियों में गायन के साथ-साथ अभिनय और नृत्य को भी बखूबी स्थान देते हैं। इसके साथ ही, उन्होंने 'अहिल्या गाथा' की शानदार प्रस्तुति के जरिए लोकविधाओं में कई नए और रचनात्मक प्रयोग किए हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने युवा कलाकार द्वारा किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि प्रांजल 'लोकगाथा भरथरी' के माध्यम से नए कलाकारों को पूरी तरह निःशुल्क प्रशिक्षण दे रहे हैं। इसके अलावा, 'आकार' शिविर के जरिए बच्चों से लेकर वरिष्ठजनों तक को अपनी कला का ज्ञान बांट रहे हैं। उनके द्वारा प्रशिक्षित कलाकार आज विभिन्न मंचों पर अपनी प्रस्तुतियां देकर इस सांस्कृतिक थाती को आगे बढ़ा रहे हैं।

अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत की प्राचीन लोकपरंपराओं और कथावाचन की विविध शैलियों को आने वाली पीढ़ियों तक संरक्षित करने के आह्वान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भरथरी सीखने और सिखाने का प्रांजल का यह सत्प्रयास इसी राष्ट्रीय भावना से मजबूती से जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री ने प्रांजल सिंह को तृतीय पीढ़ी के उन होनहार युवाओं में शुमार किया, जिनके कंधों पर छत्तीसगढ़ की लोककलाओं की आगे की गौरवशाली यात्रा टिकी हुई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रांजल सिंह के माता-पिता–पिता श्री कमलेश सिंह एवं माता श्रीमती ममता राजपूत को सादर अभिवादन प्रेषित करते हुए प्रांजल की कला साधना और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

मोहरेंगा में अदाणी फाउंडेशन का मेगा हेल्थ कैंपमें 375 ग्रामीणों को उपचार और दवाइयाँ दी गई



तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा 7 नवंबर। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों से इलाज और सही स्वास्थ्य सलाह मिलना कई बार मुश्किल होता है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए, अदाणी पॉवर लिमिटेड, रायपुर के सामाजिक सरोकारों के तहत् अदाणी फाउंडेशन द्वारा गुरुवार को ग्राम मोहरेंगा में मेगा मल्टी स्पेशलिटी हेल्थ कैंप आयोजित किया गया। इसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें जरूरी परामर्श व दवाइयाँ पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई। शिविर में कुल 375 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

शिविर का शुभारंभ ग्राम सरपंच श्रीमती श्यामा बाई धीवर, जनपद सभापति लेखूराम सेन, उपसरपंच कृष्णा कुर्रे, ग्राम सभा अध्यक्ष थनवर सिन्हा, पंच दुरेंद्र धीवर, श्रीमती रुखमणी साहू और श्रीमती चेतना वर्मा की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर ग्राम संगठन अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला गिलहरे, ग्राम संगठन सचिव श्रीमती काली धीवर, युवा अध्यक्ष राकेश साहू, जनप्रतिनिधि श्री लहराम वर्मा, सरपंच प्रतिनिधि श्री कृष्णा धीवर, श्रीमती जगेश्वरी वर्मा, मनोज वर्मा, एम.एस. प्रभारी शिक्षिका श्रीमती सरिता वर्मा, श्रीमती गंगोत्री साहू और दीपक कुमार सिन्हा सहित ग्राम के अन्य प्रतिष्ठित नागरिक और अदाणी फाउंडेशन के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

शिविर में हड्डी रोग, बाल रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और जनरल मेडिसिन के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। उन्होंने मरीजों की जाँच कर उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार परामर्श दिया। जरूरतमंद मरीजों को आवश्यक दवाइयाँ भी निःशुल्क वितरित की गईं। इससे ग्रामीणों को अपने ही गाँव में विशेषज्ञ डॉक्टरों से इलाज कराने का अवसर मिला।

प्रांजल जीनियस स्कूल के बच्चों ने स्कूल में मानव श्रृंखला बनाकर दिया हैप्पी दीपावली का संदेश

रायपुर 7 नवंबर। बोरिया खुर्द आरडीए कॉलोनी प्रांजल जीनियस पब्लिक स्कूल में करुणा क्लब के बच्चों के द्वारा सुंदर-सुंदर दीपक बनाए गए वह उनको सजाया गया बच्चों ने मानव श्रृंखला बनाकर हैप्पी दीपावली का संदेश दिया बच्चों के द्वारा बहुत ही सुंदर दीपक सजाए गए किसी ने छोटी सी मटकी और दीपक को मिलाकर महिला का आकार दिया तो किसी ने राधा बनाई किसी बच्चे के द्वारा मोर की आकृति दी गई तथा कुछ बच्चों ने पंच दीपको को जोड़कर एक बढ़िया सी आकृति बनाई सितारों से दाल से इलायची से भी बच्चों ने दीपक को डेकोरेट किया सभी बच्चों में उत्साह का माहौल बना हुआ था सबसे प्रसन्नता की बात यह है कि यहां बच्चों के मन में आपकी प्रेम और सद्भावना का भाव अत्यधिक देखने को मिल रहा था इस प्रतियोगिता में हिंदू और मुस्लिम दोनों ही बच्चों ने बढ़ चढ़कर बढ़-चढ़कर हिस्सा आचार्य श्रीमती रेखा शर्मा ने बताया कि



हमारे विद्यालय के सभी बच्चों में एक दूसरे के धाम की इज्जत करना सम्मान करना देश प्रेम की भावना बढ़ चढ़कर देखी जाती है सभी एक दूसरे के धर्म का बहुत ही सम्मान करते हैं इतनी सुंदर भावना को देखकर सचमुच मन अत्यंत प्रसन्न होता है, दीपावली के दिन यह सभी बच्चे अपने हाथ से सजे हुए दीपकों को लेकर वृद्ध आश्रम जाएंगे वहां अपने बुजुर्गों के साथ दीपक जलाकर दीपावली मनाएंगे और खुशियां बांटने का कार्य करेंगे, प्रथम स्थान आर्ची शुक्ला, सेकण्ड रुकसार खातून,व अलीना अहमद,तृतीय स्थान मोक्षदा चंद्राकर व अदिति सोनी रही

ऑल इण्डिया सिविल सर्विसेज फुटबॉल चयन ट्रायल 10 नवम्बर को

बलौदाबाजार, 7 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। ऑल इण्डिया सिविल सर्विसेज फुटबॉल (पुरुष) का चयन ट्रायल 2026-27 में भाग लेने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य दल के गठन हेतु चयन ट्रायल का आयोजन 10 नवम्बर 2026 को प्रातः 9 बजे से स्वामी विवेकानंद स्टेडियम, कोटा, रायपुर मे किया जाएगा। रक्षा सेवाओं, अर्धसैनिक संगठनों, पुलिस, स्वायत निकायों,उपक्रमों, सार्वजनिक क्षेत्रों के बैंक कर्मचारी, आकस्मिक, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी, 6 माह से कम शासकीय सेवा वाले कर्मचारी टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए पात्र नहीं है। चयन ट्रायल में भाग लेने वाले अधिकारी -कर्मचारी को कार्यालय का अनापत्ति प्रमाण पत्र एवं पहचान पत्र (आई कार्ड) लाना अनिवार्य होगा।

विधायक डॉ. रमन सिंह, सांसद संतोष पाण्डे एवं महापौर मधुसूदन यादव तथा निगम पदाधिकारियों ने दी दीपावली की बधाई

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 7 नवंबर। विधानसभ अध्यक्ष व विधायक डॉ. रमन सिंह, सांसद श्री संतोष पाण्डे एवं महापौर श्री मधुसूदन यादव ने दीपावली पर्व पर नागरिकों को अपनी शुभकामनाएं दी है। उन्होंने भारतीय संस्कृति से जुडे दीपोत्सव पर्व की बधाई देते हुए नागरिकों के जीवन में सुख-समृद्धि आरोग्य-यश-शांति स्नेह की कामना की है। उन्होंने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि पर्व और उत्सव हमारे जीवन से जुडे ऐसे संस्कार है जो मानव समाज को निरंतर कर्मपथ पर चलते रहने की शक्ति देते है। दीपावली में मॉ लक्ष्मी की पूजा करने से धन वैभव, सुख शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि दीपावली का प्रकाश हमें यह सिखाता है कि जिस प्रकार एक दीपक दूसरे दीपक को रोशन करता है, उसी तरह हमारे समाज में भी एकता, आत्मीयता और सकारात्मकता का उजियारा बनी रहनी चाहिए।

विधानसभा अध्यक्ष व विधायक डॉ. सिंह, सांसद श्री पाण्डे एवं महापौर श्री यादव ने प्रकाश पथ की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देने वाले इस दीप पर्व पर नागरिकों को अपूर्व उमंग उत्सव भाई-चारे से इस पर्व को मानने की अपील की है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि स्वच्छता अपनाये और स्वच्छता घरो तक ही सीमित न रहे, बल्कि अपने आस पास भी साफ सफाई रखे। उन्होंने कहा कि इस दीप पर्व में पारंपरिक सजावट की वस्तुओं का उपयोग करे, हस्त निर्मित उत्पाद और स्थानीय कारीगरों के व्यवसाय को बढ़ावा दे, जिससे पारंपरिक व्यवसाय से जुडे लोग भी दीवाली मना सके।

निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा,निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम,नेता प्रतिपक्ष श्री संतोष पिल्ले, महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य सर्वश्री सावन वर्मा, सुनील साहू,राजेश जैन रानू,श्रीमती बिना ध्रुव,शैंकी बग्गा, आलोक श्रोती,राजा माखीजा,श्रीमती वर्षा शरद सिन्हा, श्रीमती केवरा विजय राय, एवं डीलेश्वर प्रसाद साहू, सहित वरिष्ठ सभापति श्रीमती खेमीन यादव, कनिष्ठ सभापति श्री संदीप बघेल, अपील समिति के सदस्यों श्रीमती श्रुती लोकेश जैन, श्री संतोष कुमार साहू, श्रीमती मोहनी बाई एवं श्री सेवक राम उइके तथा पार्षदों नामांकित पार्षदों ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए, दीपावली पर्व को अपूर्व उमंग- उल्लास-उत्साह के साथ मनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि मॉ लक्ष्मी की कृपा सब पर बनी रहे और लोगों के जीवन में सुख समृद्धि का वास हो।

राष्ट्र और पार्टी हित में मिले हर दायित्व का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करना मेरा प्रथम कर्तव्य:अरुण सार्वा

शासन की योजनाओं को सफल बनाने जनभागीदारी जरूरी, हर व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुरूप विकास कार्यों में दे योगदान

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

नगरी 7 नवंबर। मैं भारतीय जनता पार्टी का एक कार्यकर्ता और सिपाही हूं। पार्टी द्वारा राष्ट्रहित और संगठनहित में सेवा के लिए वर्तमान में जो दायित्व सौंपा गया है तथा भविष्य में जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी, उसका पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करना ही मेरा कर्तव्य है। मेरा राजनीतिक उद्देश्य केवल पद प्राप्त करना नहीं, बल्कि अपने दायित्वों के माध्यम से समाज और देश के लिए बेहतर कार्य करना है। ईश्वर ने हमें अनमोल जीवन दिया है। यदि इस जीवन में हम किसी दूसरे व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने के लिए थोड़ा भी योगदान दे सकें, तो मानव जीवन की सार्थकता सिद्ध हो सकती है।÷ उक्त विचार जिला पंचायत धमतरी के अध्यक्ष अरुण सार्वा ने गुरुवार को इंडियन कॉफी हाउस, धमतरी में आयोजित दीपावली मिलन एवं 'मसान डबरा : एक बदलाव की कहानी' मैगजीन पर आयोजित परिचर्चा कार्यक्रम में व्यक्त किए।

कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया संस्थानों से जुड़े पत्रकारों ने अरुण सार्वा से उनके सामाजिक, राजनीतिक एवं जनसेवा से जुड़े



कार्यों के संबंध में अनेक सवाल किए। पत्रकारों के प्रश्नों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि राजनीति उनके लिए जनसेवा का माध्यम है। संगठन और पार्टी द्वारा जो भी जिम्मेदारी दी जाती है, उसे व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठकर राष्ट्र और समाज के हित में पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभाना चाहिए।

परिचर्चा के दौरान पत्रकार गोपी कश्यप द्वारा संकलित मैगजीन 'मसान डबरा : एक बदलाव की कहानी' पर विशेष चर्चा हुई। इस मैगजीन में प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत सांकरा के मसान डबरा में विशेष पिछड़ी जनजाति कमार समुदाय के 34 परिवारों के लिए निर्मित पक्के आवास एवं विकसित आवासीय कॉलोनी की विकास यात्रा को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है।

इस अवसर पर अरुण सार्वा ने मसान डबरा में निर्मित आवासीय कॉलोनी की परिकल्पना से लेकर उसके धरातलीय स्वरूप तक की पूरी यात्रा की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि जनसेवा के उद्देश्य से इस कार्य में उन्होंने किस प्रकार व्यक्तिगत रुचि लेकर अपना समय, श्रम और संसाधन समर्पित किए। उनका कहना था कि किसी भी सरकारी योजना का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब उसका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और योजनाओं का क्रियान्वयन केवल कागजों तक सीमित न रहकर धरातल पर दिखाई दे।

अरुण सार्वा ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों का दायित्व है कि वे जनहित में बेहतर योजनाएं बनाएं तथा उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक बजट और संसाधन उपलब्ध कराएं। सरकारें इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही हैं, लेकिन योजनाओं को सफल बनाने में समाज की सक्रिय भागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता और सामर्थ्य के अनुसार विकास कार्यों में योगदान दे सकता है। जिनके पास धन है, वे आर्थिक सहयोग करें, जिनके पास समय है, वे अपना समय दें, जिनके पास श्रम है, वे श्रमदान करें और जिनके पास निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं तकनीकी अनुभव है, वे अपने अनुभव और विशेषज्ञता का उपयोग करें।

उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकसित भारत की संकल्पना का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य तभी साकार होगा, जब सरकार के साथ समाज का प्रत्येक वर्ग अपनी जिम्मेदारी समझे और विकास की प्रक्रिया में सहभागी बने। यह केवल सरकार का लक्ष्य नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक का सामूहिक संकल्प होना चाहिए।

कार्यक्रम में पत्रकारों के साथ दीपावली की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करते हुए अरुण सार्वा ने मीडिया की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता समाज की समस्याओं, जनभावनाओं और विकास कार्यों को सामने लाने का सशक्त माध्यम है। सकारात्मक पहल और जनहित से जुड़े कार्यों को समाज तक पहुंचाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

कार्यक्रम का विधिवत एवं प्रभावी संचालन पत्रकार तथा 'मसान डबरा : एक बदलाव की कहानी' मैगजीन के संकलनकर्ता गोपी कश्यप ने किया। इस अवसर पर धमतरी जिले के विभिन्न प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संस्थानों तथा सोशल मीडिया समूहों से जुड़े बड़ी संख्या में पत्रकार एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। दीपावली मिलन के आत्मीय वातावरण में आयोजित यह परिचर्चा जनसेवा, सामाजिक सहभागिता और विकास के सामूहिक संकल्प पर सार्थक संवाद का माध्यम बनी।

स्टेशनपारा रेलवे अंडरब्रिज निर्माण के चलते रेलवे ओवरब्रिज से भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित

राजनांदगांव 7 नवंबर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री जितेन्द्र यादव ने निर्माणाधीन स्टेशनपारा रेलवे अंडरब्रिज के कार्य के दौरान जनसुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए राजनांदगांव-खैरागढ़ मार्ग पर स्थित रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी क्रमांक 329) से दुपहिया वाहनों को छोड़कर अन्य सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन पर आगामी आदेश तक पूर्ण प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं। कलेक्टर ने संयुक्त निरीक्षण प्रतिवेदन के आधार पर जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राजनांदगांव-खैरागढ़ मार्ग पर स्थित रेलवे ओवरब्रिज से दुपहिया वाहनों को छोड़कर अन्य सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन आगामी आदेश तक पूर्णत: प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पुलिस एवं यातायात विभाग को वाहनों के सुचारू आवागमन के लिए परिवर्तित मार्ग की आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि आम नागरिकों को आवागमन में अनावश्यक असुविधा न हो तथा निर्माण कार्य सुरक्षित ढंग से संपन्न हो सके। उल्लेखनीय है कि निर्माणाधीन लेवल क्रॉसिंग क्रमांक 460 (स्टेशनपारा रेलवे अंडरब्रिज) का 6 नवम्बर 2026 को संबंधित विभाग रेलवे, लोक निर्माण विभाग (सेतु), राजस्व, नगर पालिक निगम एवं यातायात पुलिस के अधिकारियों द्वारा संयुक्त निरीक्षण किया गया।

कांग्रेस कहती रही,पीएम मोदी ने करके दिखाया

आजादी के बाद से देश में गरीबी सबसे बड़ी समस्या रही है।कोई भी देश तेजी से विकास नहीं कर सकता यदि देश में गरीबी ज्यादा है। देश के विकास के लिए गरीबी को कम करना जरूरी होता है। आजादी के बाद कई दशकों तक कांग्रेस सत्ता में रही और देश में गरीबी हटाओं का नारा लगाती रही लेकिन देश से गरीबी को कम करने के लिए जो कुछ किया जाना था,नही किया गया यही वजह है कि जब तक कांग्रेस सत्ता में रही,गरीबी देश में दूसरे देशों की तरह कम नहीं हुई वह देश की गंभीर समस्या बनी रही।कांग्रेस की जगह कोई और राजनीतिक दल होता तो वह जरूर गरीबी दूर करने का प्रयास करता। गरीबी दूर नही होती वह कम तो होती लेकिन कांग्रेस ने गरीबों को भी अपना वोट बैंक समझा और माना जब तक गरीबी है,वोट गरीबी हटाने के नाम पर गरीब उसको वोट देते रहेंगे।गरीबों के वोट से कांग्रेस सत्ता में रही,गरीबी हटाने की जगह गरीबी हटाने का वादा करती रही और गरीब कांग्रेस के समय गरीब ही बने रहे।.यही वजह है कि आज भी राहुल गांधी जैसे नेता कहते हैं कि गरीबी एक मानसिक अवस्था है।कांग्रेस के कुछ नेता आज जब भी भारत व पीएम मोदी को नीचा दिखाना होता है तो वह चीन का उदाहरण देते हैं और भारत को विकास के मामले में पिछड़ा बताने का प्रयास करते हैं। कांग्रेस के ऐसे नेताओं को यह जानकर जोर का झटका लग सकता है कि गरीबी हटाने के मामले में पीएम मोदी ने चीन को भी पीछे छोड़ दिया है।चीन को अपने यहां गरीबी कम करने में 40 साल लगे तो पीएम मोदी ने भारत में वही काम यानी गरीबी कम करने का काम मात्र 12 साल में कर दिखाया! दुनिया के किसी दूसरे नेता ने नरेंद्र मोदी जैसी आर्थिक उपलब्धि इतने कम समय में हासिल नहीं की है? तुलनात्मक रूप से देखें तो चीन ने 1978 के बाद लगभग चार दशकों में करीब 77 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का ऐतिहासिक दावा किया था।बचपन में गरीबी को झेलने वाले PM ने 49.6 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया है।विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने 2011 से 2023 के बीच अनुमानित 49.6 करोड़ लोगों को 4.20 डॉलर प्रतिदिन वाली निम्न-मध्यम आय वर्ग की गरीबी रेखा से ऊपर उठाया। इस अवधि में इस श्रेणी में आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत रह गया। बचपन में घोर गरीबी में रहने वाले और जीवनयापन के लिए रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने वाले नरेंद्र मोदी ने जब देश के प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी संभाली, तो उनके सामने भारत की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक थी गरीबी की समस्या थी। करोड़ों लोगों के पास न पक्का मकान था, न बैंक खाता, न शौचालय, न रसोई गैस और न ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबों को सरकारी योजनाओं के केंद्र में रखते हुए गरीबी से देश को बाहर निकालने का काम शुरू किया। अब इस काम के सुखद परिणाम सामने आने लगे हैं जिसे अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भी मान रही हैं। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि अत्यंत गरीबी में रहने वाली आबादी का अनुपात 2011 के 27.1 प्रतिशत से घटकर 2023 में महज 2.6 प्रतिशत रह गया। विश्व बैंक ने भारत की इस प्रगति को दुनिया में गरीबी घटने की सबसे तेज प्रक्रियाओं में से एक माना है। यह सब पहले भी संभव भी था लेकिन पीएम मोदी ने जिस तरह मजबूत घरेलू उपभोग, रोजगार में वृद्धि, विशेषकर महिलाओं की बढ़ती रोजगार भागीदारी और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के जरिए यह काम करने में सफल रहे,कांग्रेस अपने समय में यह सोच नही सकी कि गरीबी दूर भी की जा सकती है। विशेष बात यह है कि भारत ने इतनी बड़ी आबादी, व्यापक सामाजिक विविधता और कोविड जैसी वैश्विक महामारी की चुनौतियों के बावजूद निर्धनता कम करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है,यह कोई आसान काम नहीं था।इसके लिए सतत प्रयास की जरूरत थी,भारत को विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को हासिल करने का संकल्प था और गरीबी का देश में कम होना संकल्प की सिध्दि है यह सिध्दि हर भारतीय के लिय़ गौरव की बात है। यह मोदी सरकार की युगान्तरकारी जन-कल्याण योजनाओं एवं गरीबी उन्मूलन के संकल्पों का ही परिणाम है। इस परिवर्तन के पीछे केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि विकास को जनकल्याण से जोड़ने की नीति भी महत्वपूर्ण रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, हर घर जल, आयुष्मान भारत, मुद्रा योजना और मुफ्त खाद्यान्न वितरण जैसी योजनाओं ने निर्धन परिवारों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने का काम किया है। पीएम मोदी की इन योजनाओं से गरीबों को आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, भोजन और वित्तीय समावेशन जैसी बुनियादी ,सुविधाएं मिली तो उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा और आज देश के करोड़ो लोग कुछ न कुछ कर रहे है,कुछ न कुछ बना रहे हैं, कुछ न कुछ सीख रहे हैं। पहले गरीब होने का मतलब होता था कि आदमी खुद को असहाय समझता था, वह मानता था कि वह देश के लिए कुछ नहीं कर सकता।आज गरीब आदमी को भी इस बात का भरोसा है वह अपनी गरीबी दूर सकता है,जब देश के नेतृत्व के साथ ही निचले स्तर के आदमी में भरोसा होता है कि हम देश मे बदलाव ला सकते हैं तो देश में बदलाव १२ साल में होता है और वह दिखता भी है और उसकी विश्व में सराहना भी होती है।

दीपोत्सव

अंधविश्वास के अंधेरे से बचें, जागरूकता का दीप जलाएँ

डॉ. सत्यवान सौरभ



दीपावली प्रकाश, उल्लास और सकारात्मकता का पर्व है। यह त्योहार हमें अंधकार से प्रकाश की ओर, निराशा से आशा की ओर और अज्ञान से ज्ञान की ओर बढ़ने का संदेश देता है। लेकिन विडंबना देखिए कि जिस पर्व पर हम घर-घर दीप जलाकर खुशियों का स्वागत करते हैं, उसी समय कुछ लोग समाज में अंधविश्वास, भय और भ्रम का अंधेरा फैलाने का प्रयास करते हैं। हरियाणा के गांवों में श्मशान घाटों और सुनसान स्थानों पर कथित तांत्रिक गतिविधियों तथा संदिग्ध वस्तुएं मिलने की खबरों के बीच ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील की जा रही है। ऐसी परिस्थितियों में सावधानी आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक आवश्यक है कि हम विवेक बनाए रखें और किसी भी प्रकार के अंधविश्वास का शिकार न बनें।

श्मशान घाट किसी भी गांव की सामाजिक व्यवस्था का एक हिस्सा होते हैं। वे अंतिम संस्कार जैसे गंभीर और संवेदनशील कार्यों से जुड़े सार्वजनिक स्थल हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग इन्हीं स्थानों को रहस्य, भय और तंत्र-मंत्र की कहानियों से जोड़कर लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करते हैं। कभी नींबू, मिर्च, सिंदूर, राख, गुड़िया, हड्डियों जैसी दिखने वाली वस्तुओं या अन्य संदिग्ध सामान को लेकर तरह-तरह की बातें फैलाई जाती हैं। इन वस्तुओं को देखकर कुछ लोग तत्काल किसी अनहोनी, जादू-टोने या कथित तांत्रिक क्रिया का निष्कर्ष निकाल लेते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी वस्तु के वहां पड़े होने मात्र से किसी अलौकिक शक्ति या तंत्र-मंत्र की पुष्टि नहीं होती।समाज को यह समझना होगा कि तंत्र-मंत्र के नाम पर लोगों को डराना, उनकी आर्थिक मजबूरी और मानसिक परेशानी का फायदा उठाना तथा चमत्कारों के नाम पर धन ऐंठना शोषण का एक तरीका है। कई बार बीमारी, पारिवारिक विवाद, आर्थिक संकट, संतान संबंधी चिंता और व्यक्तिगत परेशानियों से जूझ रहे लोग ऐसे कथित बाबाओं और तांत्रिकों के चंगुल में फंस जाते हैं। उन्हें बताया जाता है कि उनके परिवार पर किसी ने जादू-टोना कर दिया है, घर में नकारात्मक शक्ति है या किसी विशेष पूजा के बिना संकट दूर नहीं होगा। भयभीत परिवार अपनी मेहनत की कमाई ऐसे लोगों पर खर्च कर देते हैं। परिणामस्वरूप समस्या का समाधान तो नहीं होता, बल्कि आर्थिक और मानसिक परेशानी और बढ़ जाती है। विज्ञान ने आज जीवन के लगभग हर क्षेत्र में असंभव दिखाई देने वाली उपलब्धियां हासिल की हैं। चिकित्सा विज्ञान बीमारियों का उपचार कर रहा है, कृषि विज्ञान किसानों की उत्पादकता बढ़ा रहा है और तकनीक ने दुनिया को एक-दूसरे के करीब ला दिया है। ऐसे समय में किसी भी समस्या का समाधान तंत्र-मंत्र, टोने-टोटके या कथित चमत्कारों में तलाशना विवेकपूर्ण दृष्टिकोण नहीं कहा जा सकता। बीमारी का इलाज डॉक्टर से, कानूनी समस्या का समाधान कानून से और पारिवारिक समस्या का समाधान संवाद एवं समझदारी से होना चाहिए। किसी भी परेशानी को अदृश्य शक्तियों के नाम पर छोड़ देना समस्या से भागने जैसा है। हालांकि ग्रामीणों की सतर्कता को कम करके नहीं आंका जा सकता। यदि किसी गांव के श्मशान घाट, खेत, सुनसान रास्ते या सार्वजनिक स्थान पर संदिग्ध वस्तुएं अथवा गतिविधियां दिखाई दें तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस प्रशासन को दी जानी चाहिए। ग्रामीण स्वयं किसी वस्तु को छूने, हटाने या उसकी जांच करने का प्रयास न करें। संदिग्ध गतिविधियों की तस्वीर या जानकारी सुरक्षित दूरी से पुलिस को दी जा सकती है। किसी व्यक्ति पर बिना प्रमाण आरोप लगाना, भीड़ इकट्ठी करना या कानून अपने हाथ में लेना उचित नहीं है। कई बार छोटी-सी अफवाह बड़ी घटना का रूप ले सकती है। इसलिए प्रशासन की जांच और आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करना चाहिए। सोशल मीडिया के इस दौर में अफवाहें फैलाना बेहद आसान हो गया है। कोई व्यक्ति किसी सुनसान



जगह पर पड़ी वस्तु की तस्वीर खींचकर उसके साथ तंत्र-मंत्र की कहानी जोड़ देता है और देखते ही देखते वह संदेश अनेक गांवों तक पहुंच जाता है। लोग बिना सत्यापन के उसे आगे साझा करने लगते हैं। इससे ग्रामीणों में भय का वातावरण बनता है और कभी-कभी निर्दोष लोगों को भी संदेह की दृष्टि से देखा जाने लगता है। यह स्थिति सामाजिक सौहार्द और कानून-व्यवस्था दोनों के लिए नुकसानदायक है। हमें समझना होगा कि हर वायरल संदेश सच नहीं होता और हर असामान्य वस्तु का संबंध किसी तांत्रिक गतिविधि से नहीं होता। हरियाणा के गांवों की पहचान आपसी भाईचारे, सामाजिक सहयोग और सामूहिक जिम्मेदारी से रही है। गांवों में चौपाल, पंचायत और सामाजिक संस्थाएं जागरूकता फैलाने का प्रभावी माध्यम बन सकती हैं। ग्राम पंचायतों को चाहिए कि वे श्मशान घाटों, सार्वजनिक स्थलों और सुनसान रास्तों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा आवश्यक सुरक्षा प्रबंध करें। ग्रामीणों को पुलिस के संपर्क नंबर उपलब्ध कराए जाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने के लिए जागरूक किया जाए। दीपावली के अवसर पर विशेष रूप से युवाओं को जिम्मेदारी निभानी चाहिए। इसका अर्थ यह नहीं कि वे किसी प्रकार की निगरानी के नाम पर किसी को परेशान करें, बल्कि उनका उद्देश्य सुरक्षित वातावरण और सही जानकारी सुनिश्चित करना होना चाहिए।

अभिभावकों की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को भूत-प्रेत, चुड़ैल, जादू-टोना और तांत्रिक शक्तियों के नाम पर भयभीत न करें। बचपन से ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक सोच और प्रश्न पूछने की आदत विकसित करनी चाहिए। बच्चों को बताना चाहिए कि अंधेरे स्थानों से सावधानी बरतना समझदारी है, लेकिन किसी काल्पनिक शक्ति से डरना आवश्यक नहीं। वास्तविक खतरे अपराध, असामाजिक गतिविधियां और असुरक्षित परिस्थितियां हैं, जिनसे बचाव जागरूकता, सुरक्षा और कानून के माध्यम से किया जा सकता है।धर्म और आस्था व्यक्ति को नैतिकता, करुणा, सेवा और सद्भाव का संदेश देते हैं। लेकिन आस्था के नाम पर भय फैलाना, लोगों को भ्रमित करना और उनकी मजबूरी का आर्थिक लाभ उठाना किसी भी दृष्टि से स्वीकार्य नहीं है। पूजा-पाठ व्यक्ति की निजी श्रद्धा का विषय हो सकता है, लेकिन अंधविश्वास को सामाजिक समस्या बनने से रोकना हम सबकी जिम्मेदारी है।दीपावली पर हमें केवल अपने घरों में दीपक नहीं जलाने, बल्कि अपने विचारों में भी ज्ञान और विवेक का प्रकाश फैलाने की आवश्यकता है। श्मशान घाटों में संदिग्ध वस्तुएं मिलने की खबरों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस को सूचना दें, लेकिन उन्हें तंत्र-मंत्र या चमत्कार से जोड़कर भय का माहौल न बनाएं। किसी के बहकावे में न आएं, किसी कथित तांत्रिक के झांसे में न फंसें और बिना प्रमाण किसी पर आरोप न लगाएं।याद रखिए, इन टोने-टोटकों और कथित चमत्कारों से जीवन की समस्याएं हल नहीं होतीं। मेहनत, चिकित्सा, शिक्षा, विज्ञान, कानून और सकारात्मक सोच ही वास्तविक समाधान हैं। समाज को डर की नहीं, जागरूकता की जरूरत है। इस दीपावली संकल्प लें कि हम अंधविश्वास से दूर रहेंगे, अफवाहों को आगे नहीं बढ़ाएंगे और हरियाणा के गांवों को सुरक्षित, शिक्षित तथा वैज्ञानिक सोच वाला समाज बनाने में योगदान देंगे। क्योंकि वास्तविक प्रकाश दीपक से ही नहीं, मनुष्य के विवेक और विचारों से भी फैलता है।

राशिफल

मेष आज का दिन आपको सोच-समझकर कदम उठाने और अपने धैर्य को बनाए रखने की सीख दे सकता है। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें और फिजूलखर्ची से बचने की कोशिश करें। कोई बड़ा निर्णय लेने से पहले उसके सभी पहलुओं पर अच्छी तरह विचार करना जरूरी होगा।

वृषभ आज भाग्य का साथ मिलने से आपके कई काम आसानी से पूरे हो सकते हैं। जिस काम को लेकर आप काफी समय से प्रयास कर रहे हैं, उसमें सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है। निवेश से लाभ होने और कारोबार में तेजी आने के संकेत हैं.

मिथुन आज आपकी समझदारी, बुद्धिमानी और सही समय पर निर्णय लेने की क्षमता आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होने के संकेत हैं और लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिलने से मन को राहत मिल सकती है। आपके कुछ फैसले आसपास के लोगों के लिए अप्रत्याशित हो सकते हैं.

कर्क आज आपको अपनी प्राथमिकताएं तय करके अधूरे कामों को पूरा करने पर ध्यान देना चाहिए। जिन जिम्मेदारियों को आप लगातार टाल रहे हैं, वे आगे चलकर परेशानी का कारण बन सकती हैं। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें और जल्दबाजी में कोई कदम न उठाएं।

सिंह आज आपका व्यक्तित्व और प्रभाव लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बन सकता है। आपकी मधुर वाणी और व्यवहार दूसरों को प्रभावित करेंगे, वहीं कार्यस्थल पर सहयोगियों का साथ मिलने से काम करना आसान होगा। आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा साबित करने के कई अवसर मिल सकते हैं।

कन्या आज का दिन कामकाज की व्यस्तता और भागदौड़ से भरा रह सकता है। किसी व्यावसायिक या जरूरी काम के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है, जिसके कारण थकान महसूस हो सकती है। परिवार से जुड़ा कोई विषय मन में चिंता पैदा कर सकता है.

तुला आज घर-परिवार में खुशियों और उत्साह का माहौल बन सकता है। परिवार में किसी नए सदस्य के आगमन की सूचना मिल सकती है या शादी-विवाह से जुड़ी तैयारियां घर की रौनक बढ़ा सकती हैं। अपनों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक आज का दिन खुशियों के साथ कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी लेकर आ सकता है। कामकाज का दबाव बढ़ने से थोड़ी थकान या मानसिक व्यस्तता महसूस हो सकती है, लेकिन छोटे-छोटे आर्थिक लाभ आपका उत्साह बनाए रखेंगे। पड़ोस में किसी मुद्दे को लेकर विवाद की स्थिति बन सकती है।

धनु आज आपके सामने आगे बढ़ने और अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के कई अवसर आ सकते हैं। आय बढ़ाने के नए रास्तों पर विचार करने का मौका मिलेगा और सही योजना के साथ काम करने पर लाभ की संभावना भी बन सकती है।

मकर आज आपको हर महत्वपूर्ण कदम सोच-समझकर उठाने की जरूरत होगी। जल्दबाजी या अधूरी जानकारी के आधार पर लिया गया फैसला आर्थिक और व्यक्तिगत मामलों में परेशानी पैदा कर सकता है। इसलिए किसी भी बड़े निर्णय से पहले सभी जरूरी तथ्यों को समझ लें और आवश्यकता पड़ने पर अनुभवी व्यक्ति की सलाह लें।

कुंभ आज कारोबार में लाभ मिलने की संभावना है, हालांकि काम के दौरान तकनीकी समस्याएं या छोटी-मोटी रुकावटें आपकी गति धीमी कर सकती हैं। ऐसी परिस्थितियों में परेशान होने के बजाय अपने अनुभव और व्यावहारिक समझ का इस्तेमाल करें। धैर्य से काम लेने पर समस्याओं का समाधान मिल सकता है। ससुराल पक्ष से किसी सदस्य के घर आने की संभावना है,.

मीन आज आपकी मेहनत, लगन और जिम्मेदारी निभाने का तरीका लोगों के सामने आपकी अच्छी छवि बना सकता है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने की संभावना है, जिससे मन प्रसन्न होगा और पुरानी यादें फिर से ताजा हो सकती हैं। परिवार के साथ बिताया गया समय आपको भावनात्मक संतोष देगा। जीवनसाथी के साथ कुछ खास पल बिताने का अवसर मिल सकता है, जिससे रिश्ते में प्रेम और नजदीकियां बढ़ेंगी।

दीपों के उत्सव में श्रम की बूंदों को मिले उचित सम्मान

संजीव ठाकुर



भारत त्योहारों और पर्वों की भूमि है। एक ऐसा देश, जहाँ ऋतुएँ बदलती हैं तो उनके साथ लोक-जीवन में उल्लास की नई धारा प्रवाहित हो उठती है। दीपावली उत्सव दीपों और उजाले का का महापर्व अब केवल भारत देश में ही नहीं मनाया जाता बल्कि यह त्योहार अब वैश्विक स्तर पर उजाले के उत्सव के रूप में स्थापित हो चुका है। भारत का प्रत्येक उत्सव केवल आनंद का अवसर नहीं, बल्कि संस्कृति, श्रद्धा, कृतज्ञता और सामाजिक एकता का जीवंत प्रतीक है। इन्हीं पर्वों में दीपावली का स्थान सर्वोच्च और सर्वप्रिय है। आज दीपावली की ज्योति केवल भारत के



आँगन में ही नहीं, बल्कि विश्व के अनेक देशों में प्रज्वलित होती है। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, स्विट्ज़रलैंड, चीन, जापान जैसे देशों में बसे भारतीय समुदाय इसे पूरे श्रद्धा, स्नेह और संस्कारों के साथ मनाते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने तो व्हाइट हाउस के द्वार दीपावली पर्व के लिए विशेष रूप से जनता हेतु खोल दिए और यह कहा कि — "व्हाइट हाउस जनता का ही है, और दीपावली का यह उत्सव सबके लिए है।" डोनाल्ड ट्रंप भी इस बात से छूट नहीं उन्होंने दिवाली के लिए विशेष व्यवस्था वाशिंगटन में रखने की विशेष निर्देश दिए हैं। ग्रेट ब्रिटेन में भी यह पर्व भारत की ही भाँति उल्लास, दीपमालाओं और पारंपरिक सज्जा के साथ मनाया जाता है।कार्तिक अमावस्या की रात को जब अनगिनत दीप अपने छोटे-से अस्तित्व से अंधकार को चुनौती देते हैं, तब वह अमावस्या मानो शरद पूर्णिमा में रूपांतरित हो जाती है। यह दीपोत्सव केवल ज्योति का नहीं, आत्मा के आलोक का पर्व है। पौराणिक परंपरा के अनुसार, इसी दिन भगवान श्रीराम ने चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात सीता एवं लक्ष्मण सहित अयोध्या लौटकर रावण पर विजय प्राप्त की थी। उनके स्वागत में सम्पूर्ण अयोध्या नगरी घी के दीपों से आलोकित हो उठी। इस विजयोत्सव के रूप में तब से यह पर्व अनवरत रूप से मनाया जाता है। एक अन्य कथा के अनुसार, समुद्र-मंथन के समय इसी दिवस पर देवी लक्ष्मी का प्रादुर्भाव हुआ था; अतः इस दिन लक्ष्मी पूजन का अत्यंत शुभ महत्व है।

दीपावली की रात जनमानस प्रतीक रूप में आशा और स्वागत की प्रतीक्षा में द्वार खुले रखते हैं, दीप जलाते हैं — मानो कह रहे हों, "हे सौभाग्य, हे प्रकाश, हमारे घर में पधारो।" व्यापारी समुदाय के लिए यह पर्व नववर्ष का आरंभ भी है। वे इस दिन अपने पुराने बही-खाते समाप्त कर नवीन लेखे आरंभ करते हैं — यह नवता, स्वच्छता और शुभारंभ का प्रतीक है।

वर्तमान संदर्भ में दीपावली का महत्व और भी व्यापक हो जाता है। यह दिन आर्य समाज के प्रवर्तक स्वामी दयानंद सरस्वती के निर्वाण दिवस के रूप में भी स्मरण किया जाता है। इसी प्रकार जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण भी इसी पावन तिथि को हुआ था। अतः आर्य समाज तथा जैन समुदाय के लिए यह दिन श्रद्धा, साधना और प्रकाश का विशेष पर्व है। दीपावली केवल घरों की सजावट का त्यौहार नहीं यह शरीर, मन और आत्मा की स्वच्छता का पर्व है। इस दिन लोग अपने घरों की सफाई के साथ-साथ अंतःकरण के विकारों को भी धोने का प्रयास करते हैं। दीपों की लौ केवल दीवारों को नहीं, अंतरतम के अंधकार को भी आलोकित करती है। इसी उजास से उत्पन्न होती है सच्ची सम्पन्नता भौतिक नहीं, आध्यात्मिक।

बाजारों की रौनक, मिठाइयों की मिठास और स्वर्णाभूषणों की चमक से भी परे, दीपावली का वास्तविक अर्थ है आशा, करुणा और ज्ञान का प्रसार। यही कारण है कि यह पर्व राष्ट्र की आर्थिक चेतना के साथ-साथ सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक बन चुका है। धनतेरस से दीपावली तक करोड़ों-अरबों का व्यापार होता है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था में भी नवोन्मेष का संचार होता है।

दीपावली का गूढ़ संदेश यही है —

"दीप जलाना केवल रोशनी करने का कार्य नहीं,
यह अंधकार से संवाद करने की कला है।"

इसी भाव को साकार करती पंक्तियां

आओ ज्ञान का दीप जलाएँ अज्ञानता के घनघोर तमस में,
ज्ञान के सहस्त्र दीप जलाएँ, दूर करें अंधियारा जगत से।
निराशा मन-मस्तिष्क से मिटाएँ,
आओ एक ज्ञान का दीप जलाएँ।"

यही है दीपावली का सच्चा स्वरूप — अंधकार से प्रकाश की यात्रा, विकार से विचार की ओर प्रस्थान। आज यह पर्व केवल भारतीय सीमाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वैश्विक स्तर पर मानवता, सद्भाव और उजास का उत्सव बन चुका है।

दीपों की यह उजली भाषा,
मानवता का सच्चा आलोक है।
दीप जलें बाहर भी, भीतर भी।

सभी देशवासियों एवं समस्त विश्व को दीपावली की हार्दिक, मंगलमय एवं आलोकित शुभकामनाएँ।

दीपोत्सव विशेष

दीपावली बने विकसित एवं समृद्ध भारत की नई ज्योति

ललित गर्ग

दीपावली केवल अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व नहीं है, यह मनुष्य के भीतर सोई हुई चेतना को जगाने, जीवन की दिशाहीनता को दिशा देने और सभ्यता के वर्तमान पड़ाव पर अपने मूल्यों का पुनर्मूल्यांकन करने का अवसर है। आज भारत विकसित भारत, समृद्ध भारत, समर्थ भारत और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पयात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। दुनिया भारत की आर्थिक शक्ति, तकनीकी सामर्थ्य, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दृष्टि को नए विश्वास के साथ देख रही है। ऐसे समय में दीपावली का दीपक केवल घर की चौखट पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के आकाश में भी जलना चाहिए। हमारे सामने एक बड़ा प्रश्न है-जब दीपों की संख्या बढ़ रही है, तब मनुष्य के भीतर का प्रकाश क्यों मंद पड़ रहा है? घर जगमगा रहे हैं, बाजार रोशन हैं, महानगरों की इमारतें विद्युत-दीपों से नहा रही हैं, तकनीक जीवन को सुविधाओं से भर रही है, फिर भी मनुष्य के भीतर तनाव, असुरक्षा, हिंसा, स्वार्थ, असहिष्णुता और मोह का अंधकार क्यों गहराता जा रहा है? कहीं ऐसा तो नहीं कि हमने दीपक तो बहुत जला लिए, लेकिन अपने भीतर बाती लगाना भूल गए?

आतंकवाद, हिंसा, युद्ध, घृणा और वैमनस्य की जड़ें किसी मशीन या हथियार में नहीं, मनुष्य की विकृत चेतना में होती हैं। इसलिए आतंकवाद की समस्या का स्थायी समाधान केवल सुरक्षा-व्यवस्था से नहीं होगा। मनुष्य को अनावश्यक हिंसा छोड़ने का संकल्प करना होगा। जब तक मनुष्य के भीतर प्रतिशोध की आग जलती रहेगी, तब तक संसार में शांति का दीपक पूरी तरह प्रज्वलित नहीं हो सकता। अहिंसा केवल जैन दर्शन का सिद्धांत नहीं, बल्कि भविष्य की मानव सभ्यता की आवश्यकता है। एक सुंदर आध्यात्मिक दृष्टांत है। अंधकार ने ब्रह्मा से शिकायत की कि सूर्य उसका पीछा करता है और उसे मिटा देना चाहता है। सूर्य ने कहा-मैं तो अंधकार को जानता तक नहीं, मिटाने की बात तो दूर है, पहले उसे मेरे सामने उपस्थित करो। जब अंधकार को सूर्य के सामने आने के लिए कहा गया तो उसने उत्तर दिया-मैं उसके पास कैसे आऊं? उसके सामने आते ही मेरा अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। यही सत्य धर्म और अज्ञान के संबंध का है। जहां ज्ञान का सूर्य उदित हो जाता है, वहां अज्ञान का अंधकार टिक नहीं सकता। जहां करुणा का दीप जलता है, वहां हिंसा की कालिमा ठहर नहीं सकती। जहां आत्मसंयम की ज्योति प्रज्वलित होती है, वहां मोह और मूर्च्छा का साम्राज्य धीरे-धीरे ढहने लगता है। इसीलिए दीपावली की वास्तविक सार्थकता केवल घर की सफाई में नहीं, अंतःकरण की सफाई में है। हम महीनों से घर के कोने-कोने की धूल हटाते हैं, पुराने सामान को व्यवस्थित करते हैं, दीवारों को सजाते हैं और घर को नया रूप देते हैं। लेकिन क्या कभी हमने अपने मन के कोनों में जमी ईर्ष्या की धूल झाड़ी? क्या क्रोध की कालिख साफ की? क्या अहंकार के जाले हटाए? क्या लोभ और मोह के पुराने सामान को बाहर निकाला? यदि इस दीपावली हम अपने भीतर की ऐसी सफाई कर पाए, तो यही पर्व हमारे जीवन का सबसे बड़ा उत्सव बन जाएगा। महान दार्शनिक संत आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने अंतर्दर्शन को आत्मप्रकाश का मार्ग बताया। उनका संकेत स्पष्ट था कि बाहर की दुनिया को देखने की हमारी आदत बहुत गहरी है, जबकि भीतर झांकने की साधना बहुत कमजोर। आज मनुष्य के पास दुनिया देखने के लिए असंख्य माध्यम हैं, लेकिन स्वयं को देखने का समय नहीं। मोबाइल की स्क्रीन चमक रही है, लेकिन मन की स्क्रीन धुंधली होती जा रही है। सूचना का भंडार बढ़ रहा है, पर आत्मबोध का दीप क्षीण हो रहा है। यही आज की सबसे बड़ी विडंबना है-हम चाँद पर पहुँचने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन अपने भीतर के अंधेरे कोनों तक पहुँचने में संकोच कर रहे हैं। नया भारत केवल ऊँची इमारतों, तेज गति की अर्थव्यवस्था, अत्याधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय बुनियादी ढाँचे से नहीं बनेगा। विकसित भारत की असली पहचान उसके नागरिकों की विकसित चेतना से होगी। समृद्धि तभी सार्थक है जब संवेदना जीवित रहे, शक्ति तभी मंगलकारी है जब उसमें संयम हो, विज्ञान तभी कल्याणकारी है जब उसके साथ विवेक हो और विकास तभी पूर्ण है जब उसके केंद्र में मनुष्य तथा प्रकृति दोनों के प्रति करुणा हो। भारत की सनातन संस्कृति ने सदियों पहले जीवन का यही सूत्र दिया था-तमसो मा ज्योतिर्गमय। अंधकार से प्रकाश की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर, असंयम से संयम की ओर और स्वार्थ से परमार्थ की ओर बढ़ना ही भारतीय संस्कृति की जीवनधारा है। आज जब भारत विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर है, तब उसकी सबसे बड़ी पूँजी केवल अर्थव्यवस्था या तकनीकी शक्ति नहीं, बल्कि उसकी सनातन जीवनदृष्टि है। दीपावली इस सनातन संस्कृति को नया आकाश देने का पर्व बन सकती है। हमें दुनिया को केवल यह नहीं बताना कि भारत आर्थिक रूप से आगे बढ़ रहा है, हमें यह भी दिखाना है कि भारत मानवीय मूल्यों के साथ विकास करना जानता है। ऐसा विकास, जिसमें प्रकृति के लिए स्थान हो, वंचित के लिए संवेदना हो, वृद्ध के लिए सम्मान हो, युवा के लिए अवसर हो, नारी के लिए गरिमा हो और प्रत्येक मनुष्य के लिए सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण जीवन हो। आज आवश्यकता है कि दीपावली के दीपक को राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक बनाया जाए। एक दीप आत्मसंयम का, एक अहिंसा का, एक पर्यावरण-संरक्षण का, एक सामाजिक समरसता का, एक नारी-सम्मान का, एक ईमानदारी का और एक राष्ट्रनिष्ठा का। जब करोड़ों घरों के करोड़ों दीप इन मूल्यों के साथ जलेंगे, तब भारत की रोशनी केवल घरों और बाजारों तक सीमित नहीं रहेगी, वह विश्वमानवता का पथ आलोकित करेगी।दीपक की एक विशेषता है-वह स्वयं जलता है और दूसरों को प्रकाश देता है। यही भारत की संस्कृति का मूल चरित्र है। वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना लेकर चलने वाला भारत अपने उत्थान को विश्वकल्याण से अलग नहीं देख सकता। भारत यदि विश्वगुरु बनना चाहता है तो उसे दुनिया को केवल ज्ञान नहीं, जीवन का संतुलन भी देना होगा, केवल समृद्धि का मॉडल नहीं, शांति का मार्ग भी दिखाना होगा।

एक नजर

घरेलू विवाद में महिला हुई घायल, सीआरपीएफजवानों ने पहुंचाया अस्पताल



सुकमा, 7 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के चिंतलनार थाना क्षेत्र में पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के दौरान पति ने पत्नी के सिर पर वार कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर सीआरपीएफ74वीं वाहिनी के जवानों ने तत्परता दिखाते हुए घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल सुकमा रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार घटना नागाराम गांव के पटेलपारा की है। यहां रहने वाली माड़वी सुशीला आंगनबाड़ी सहायिका के पद पर कार्यरत हैं। बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर उनका पति माड़वी हिड़मा के साथ विवाद हुआ था। इसी दौरान पति ने पत्नी के सिर पर वार कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई। घटना की जानकारी मिलने पर सीआरपीएफ 74वीं वाहिनी के जवान मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल महिला को तत्काल चिंतलनार अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल सुकमा रेफर कर दिया। जवानों की त्वरित मदद से महिला को समय पर उपचार मिल सका।

चेक बाउंस के मामलों के लिए 21 नवंबर को विशेष लोक अदालत

जगदलपुर, 7 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। चेक बाउंस के मामलों में लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत दिलाने और लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए 21 नवंबर को जिला न्यायालय परिसर जगदलपुर में विशेष लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इसमें परक्राम्य लिखित अधिनियम 1881 की धारा 138 (एनआई एक्ट) के सम्झौता योग्य मामलों को आपसी सहमति से निराकृत करने पर विशेष जोर रहेगा। अधिक से अधिक प्रकरणों के निपटारे के लिए जिला न्यायालय प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशों के तहत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में बैठक आयोजित की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष गोविंद नारायण जांगड़े के बैठक में व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अंकिता कश्यप सहित न्यायिक अधिकारी और अधिवक्ता शामिल हुए। बैठक में धारा 138 एनआई एक्ट के अधिक से अधिक मामलों का निपटारा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। न्यायिक अधिकारियों को लंबित प्रकरणों की पहचान कर संबंधित पक्षकारों को आपसी समझौते के लिए प्रेरित करने कहा गया।

उप मुख्यमंत्री ने शिल्पकारों से मिट्टी के दीये-कलश खरीदे

कांकेर, 7 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने दीपावली के अवसर पर उत्तर बस्तर कांकेर में स्थानीय शिल्पकारों से मिट्टी के दीये और कलश की खरीदी कर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का संदेश दिया। इस पहल के जरिए उन्होंने स्थानीय कारीगरों के हुनर, मेहनत और परंपरागत शिल्पकला को सम्मान देने की अपील की। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि स्थानीय उत्पादों को अपनाना शिल्पकारों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में सार्थक कदम है। इससे कारीगरों की मेहनत को उचित सम्मान मिलता है, और उनके परिवारों की आजीविका को भी सहारा मिलता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल आह्वान का उल्लेख करते हुए प्रदेशवासियों से इस दीपावली स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देने की अपील की । उन्होंने कहा कि स्थानीय कारीगरों से मिट्टी के दीये और अन्य उत्पाद खरीदकर उनके जीवन में भी खुशियों की रोशनी लाई जा सकती है। अरुण साव ने कहा कि इस दीपावली बस्तर के स्थानीय शिल्पकारों के बनाए दीये उनके घर में भी रोशनी फैलाएंगे।

बस्तर चेंबर ऑफकॉमर्स ने कलेक्टर और द्वन्न को सौंपा ज्ञापन, स्द्भुअ जांच में सोशल मीडिया की गतिविधियों और संबंधित लोगों की भूमिका शामिल करने की मांग

बाफना परिवार की प्रतिष्ठा को प्रभावित करने वाले कथित भ्रामक प्रचार की भी हो जांच

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर 7 नवंबर। बाफना लाइफस्टाइल से जुड़े संवेदनशील मामले में निष्पक्ष जांच और वास्तविक तथ्यों को सामने लाने की मांग अब तेज होती जा रही है। इसी कड़ी में बस्तर चेंबर ऑफ कॉमर्स ने प्रशासन से मामले के सभी पहलुओं की बारीकी से जांच कराने की मांग की है। चेंबर पदाधिकारियों ने 6 नवंबर को बस्तर कलेक्टर एवं बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक को ज्ञापन सौंपकर गठित विशेष जांच दल की जांच में सोशल मीडिया पर प्रसारित कथित भ्रामक सामग्री और उससे जुड़े लोगों की भूमिका को भी शामिल करने का आग्रह किया।

चेंबर ने अपने ज्ञापन में स्पष्ट किया कि मामले में निष्पक्ष जांच और पीड़ित परिवार को न्याय मिलना सर्वोपरि है। घटना से जुड़े प्रत्येक तथ्य की पुलिस जांच के माध्यम से पुष्टि होनी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आए और किसी भी तरह की अपुष्ट जानकारी के आधार पर धारणा न बने। संगठन के अनुसार, बाफना परिवार भी निष्पक्ष जांच और वास्तविक तथ्यों को सार्वजनिक किए जाने का पक्षधर है।



सोशल मीडिया पर चल रहे कथित नैरेटिव पर जताई चिंता : चेंबर पदाधिकारियों ने मामले को लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही सामग्री और कथित भ्रामक प्रचार पर चिंता जाहिर की। ज्ञापन में कहा गया कि जांच पूरी होने और आधिकारिक तथ्यों की पुष्टि से पहले ही सोशल मीडिया पर तरह-तरह के दावे और नैरेटिव प्रसारित किए जा रहे हैं। इससे बाफना परिवार की सामाजिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठा प्रभावित होने की आशंका है।

संगठन ने मांग की कि सोशल मीडिया पर प्रसारित सामग्री के स्रोत, उसकी प्रमाणिकता और उसे प्रसारित करने के पीछे की मंशा की भी जांच होनी चाहिए। किसी भी संवेदनशील मामले को राजनीतिक या अन्य दृष्टिकोण से प्रभावित करने के बजाय जांच में सामने आने वाले तथ्यों को ही महत्व दिया जाना चाहिए। हालांकि, चेंबर ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति या समूह पर आरोप तय करने से पहले पर्याप्त साक्ष्यों का परीक्षण जरूरी है।

एसआईटी जांच में सभी पहलुओं की पड़ताल की मांग: ज्ञापन में विशेष जांच दल से घटना से जुड़े प्रत्येक पहलू की निष्पक्ष पड़ताल करने का आग्रह किया गया है। चेंबर का कहना है कि जांच केवल घटना तक सीमित न रहे, बल्कि सोशल मीडिया पर प्रसारित कथित भ्रामक और मानहानिकारक सामग्री की भी पड़ताल की जाए। यदि जांच में किसी व्यक्ति द्वारा जानबूझकर गलत या भ्रामक जानकारी फैलाने की पुष्टि होती है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जानी चाहिए।

चेंबर ने यह भी कहा कि जांच पूरी होने से पहले किसी व्यक्ति अथवा परिवार को दोषी मान लेना न्यायसंगत नहीं है। प्रत्येक पक्ष को कानून के तहत निष्पक्ष जांच और अपना पक्ष रखने का समान अवसर मिलना चाहिए। किसी भी तरह का निष्कर्ष केवल प्रमाणित तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए।

सुरक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा और निष्पक्ष सुनवाई पर जोर : बस्तर चेंबर ऑफ कॉमर्स ने प्रशासन से मामले की जांच निर्धारित प्रक्रिया के तहत शीघ्र पूरी कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। साथ ही संबंधित परिवार की सुरक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा और निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार को भी प्राथमिकता देने की बात कही।

चेंबर ने अपने रुख को स्पष्ट करते हुए कहा कि उसकी मंशा किसी भी पक्ष को जांच के दायरे से बाहर रखने की नहीं है। संगठन चाहता है कि घटना से जुड़े सभी तथ्यों के साथ सोशल मीडिया पर चल रहे कथित भ्रामक प्रचार की भी निष्पक्ष जांच हो, ताकि किसी के साथ अन्याय न हो और सच्चाई सामने आ सके।

चेंबर के पदाधिकारी और व्यापारी रहे मौजूद : कलेक्टर एवं द्वन्न को ज्ञापन सौंपने के दौरान चेंबर अध्यक्ष श्याम सोनी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विमल बोथरा, महामंत्री नवरतन जलोटा, उपाध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह भदौरिया, एम. श्रीधर राव मड़दरी, मंत्री गजेन्द्र चांडक, पूर्व अध्यक्ष भंवर बोथरा, किशोर पारख, ऋषि हेमाणी, चन्द्रेश चांडक, पंकज सिंघल, मोहर झा, अरुण त्रिपाठी, सुनील दण्डवानी, संदीप पारख, रोहित बैस, सोहन सोनी, सन्नी बजाज एवं लक्ष्मण सिंह राजपुरोहित सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित थे।

महिला एवं बाल संरक्षण से जुड़ी संस्थाओं की कार्यप्रणाली और अधिकारों की मिली जानकारी

महिला एवं बाल संरक्षण से जुड़ी संस्थाओं की कार्यप्रणाली और अधिकारों की मिली जानकारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कांकेर, 7 नवंबर। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत संचालित बिटिया एट द वर्क अभियान के तहत जिला महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कांकेर की कक्षा 11वीं की 40 बालिकाओं को विभिन्न शासकीय कार्यालयों एवं महिला तथा बाल संरक्षण से संबंधित संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया।

कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में आयोजित इस भ्रमण का उद्देश्य बालिकाओं को महिलाओं एवं बच्चों के अधिकारों, सुरक्षा, संरक्षण, कानूनी सहायता तथा शासन की विभिन्न योजनाओं और सेवाओं से अवगत कराना था। भ्रमण के दौरान बालिकाओं ने थाना स्थित महिला सेल, मिशन शक्ति, नवा बिहान, चाइल्ड हेल्पलाइन (1098), बाल संरक्षण इकाई तथा सखी वन स्टॉप सेंटर का अवलोकन किया। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें इन संस्थानों की



कार्यप्रणाली तथा जरूरतमंद महिलाओं और बच्चों को उपलब्ध कराई जाने वाली सहायता सेवाओं की जानकारी दी। इस दौरान महिला सुरक्षा, घरेलू हिंसा से संरक्षण, कानूनी सहायता, परामर्श, चिकित्सा सुविधा एवं संकटग्रस्त बच्चों के संरक्षण की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया गया। अधिकारियों ने बालिकाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा, जागरूकता और आत्मविश्वास के माध्यम से वे अपने अधिकारों के प्रति सजग बने तथा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में अपनी भूमिका निभाएं। उन्हें बताया गया कि हिंसा, उत्पीड़न, बाल विवाह अथवा किसी भी संकट की स्थिति में संबंधित विभागीय इकाइयों और हेल्पलाइन सेवाओं के माध्यम से सहायता प्राप्त की जा सकती है। इस शैक्षणिक भ्रमण से बालिकाओं को शासकीय संस्थानों की वास्तविक कार्यप्रणाली समझने, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने तथा भविष्य में आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक बनने का अवसर मिला। कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिका, मिशन शक्ति की टीम एवं नवा बिहान के बाल संरक्षण अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत सचिव भर्ती की मेरिट सूची जारी, 45 पदों पर होगी नियुक्ति

■ कंप्यूटर कौशल परीक्षा के बाद जारी हुई सूची, अभ्यर्थी जिला प्रशासन की वेबसाइट पर कर सकेंगे अवलोकन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 7 नवंबर। जिले में ग्राम पंचायत सचिव के रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया के तहत कंप्यूटर कौशल परीक्षा संपन्न होने के बाद अभ्यर्थियों की मेरिट सूची जारी कर दी गई है। मेरिट सूची जारी होने से भर्ती प्रक्रिया में शामिल अभ्यर्थियों को अगले चरण की जानकारी मिल सकेगी। अभ्यर्थी जिला पंचायत एवं संबंधित जनपद पंचायत कार्यालयों के सूचना पटल के साथ-साथ जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट पर भी सूची का अवलोकन कर सकते हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत कार्यालयीन विज्ञापन दिनांक 05 जून 2026 के माध्यम से जिले में ग्राम पंचायत सचिव के कुल 45 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे। भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत पात्र अभ्यर्थियों में से प्रत्येक पद के विरुद्ध 10 अभ्यर्थियों को कंप्यूटर कौशल परीक्षा के लिए आमंत्रित किया गया था। इसी क्रम में कंप्यूटर कौशल परीक्षा का आयोजन 02 नवंबर से 04 नवंबर 2026 तक कार्यालय जिला पंचायत दंतेवाड़ा में किया गया। परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद अब अभ्यर्थियों की मेरिट सूची का प्रकाशन कर दिया गया है।

जारी मेरिट सूची का अवलोकन मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दंतेवाड़ा के कार्यालयीन सूचना पटल के अलावा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत दंतेवाड़ा, गीदम, कुआकोंडा एवं कटेकल्याण के सूचना पटल पर किया जा सकता है। इसके साथ ही अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए मेरिट सूची जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट httpÑ//www.dantewada.nic.in पर भी उपलब्ध कराई गई है। भर्ती प्रक्रिया में शामिल अभ्यर्थियों से अपील है कि वे जारी मेरिट सूची का ध्यानपूर्वक अवलोकन करें तथा भर्ती से संबंधित आगामी निर्देशों एवं सूचनाओं के लिए जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट और संबंधित कार्यालयों के संपर्क में रहें।

डिजिटल क्रॉप सर्वे में फसल क्षेत्र और पड़त भूमि का हो स्पष्ट उल्लेख: कमिश्नर डोमन सिंह

जगदलपुर, 7 नवंबर। कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह ने शुक्रवार को कोण्डागांव एवं कांकेर जिले में संचालित डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य का निरीक्षण कर इसकी प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि डिजिटल क्रॉप सर्वे के दौरान निरा बोये गए फसल क्षेत्र के रकबे, पड़त रकबे तथा अन्य उपयोग में आने वाली भूमि के रकबे का स्पष्ट एवं सही उल्लेख सुनिश्चित किया जाए।

कमिश्नर श्री सिंह ने इस दौरान पीवी ऐप के माध्यम से कृषि भूमि के खसरों के भौतिक सत्यापन कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने कोण्डागांव जिले की कोण्डागांव तहसील अंतर्गत ग्राम मसोरा तथा कांकेर जिले की चारामा तहसील अंतर्गत ग्राम माहुद में किसानों के खेतों तक पहुंचकर सर्वे कार्य की



वास्तविक स्थिति देखी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी अमले से खसरों के भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया और अब तक हुई प्रगति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य पूरी गंभीरता और सावधानी के साथ किया जाना चाहिए। खेतों में वास्तविक रूप से बोई गई फसलों, खाली पड़ी भूमि तथा अन्य उपयोग में लाई जा रही भूमि का सही-सही सत्यापन कर उसका अभिलेखन किया जाए। इससे कृषि भूमि के उपयोग और फसल क्षेत्रफल की वास्तविक स्थिति का सटीक आकलन किया जा सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को सर्वे कार्य में तेजी लाने के साथ ही प्रत्येक खसरे का भौतिक सत्यापन निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मैदानी स्तर पर सर्वे कार्य की नियमित निगरानी करने तथा कार्य की गुणवत्ता और शुद्धता पर विशेष ध्यान देने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर कोण्डागांव एसडीएम श्री अश्वन पुसाम एवं तहसीलदार श्री मनोज रावटे सहित चारामा एसडीएम श्री नरेन्द्र बंजारा, तहसीलदार श्री सत्येन्द्र शुक्ला तथा राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

214 निर्वाचन साक्षरता क्लबों में निबंध व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का भव्य आगाज

जगदलपुर, 7 नवंबर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बस्तर जिले में भावी और युवा मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने के लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। जिले भर के शैक्षणिक संस्थानों में स्थापित 214 निर्वाचन साक्षरता क्लबों के माध्यम से निबंध और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को मतदान के महत्व, शुद्ध मतदाता सूची की भूमिका और पूरी चुनावी व्यवस्था के प्रति जागरूक बनाना है। इस पहल के तहत प्रतियोगिताओं का आयोजन त्रि-स्तरीय प्रारूप में सुनिश्चित किया गया है।

सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए 290 सीटों पर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

कांकेर, 7 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छत्तीसगढ़ शासन की सीजी एण्ड एसीई योजना 2026 के अंतर्गत शिखर (भाग-1) के तहत राज्य के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के पात्र अभ्यर्थियों को नई दिल्ली में संघ लोक सेवा आयोग यूपीएससी द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए कोचिंग प्रदान की जाएगी। इसके लिए इच्छुक अभ्यर्थियों से वर्ष 2026-27 हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के तहत कुल 290 सीटें निर्धारित की गई हैं। इनमें अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए 150 सीट, अनुसूचित जाति वर्ग के लिए 60 सीट तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 80 सीट शामिल हैं। प्रत्येक वर्ग में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगी। चयनित अभ्यर्थियों को योजना की नियमावली की कंडिका 3.5 के अनुसार निर्धारित सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 नवम्बर को रात्रि 11.59 बजे तक है। आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार के लिए 01 से 04 दिसम्बर तक का समय निर्धारित किया गया है। वहीं प्राक्कयन परीक्षा 13 दिसम्बर रविवार को आयोजित होने की संभावित तिथि निर्धारित है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट https://hmstribal.cg.nic.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी, पात्रता, नियमावली एवं अन्य दिशा-निर्देशों का अवलोकन वेबसाइट से किया जा सकता है।

पैंगोलिन शल्क एवं तेंदुए की खाल के साथ 6 आरोपित गिरफ्तार



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 7 नवंबर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर वनमंडल में वन्यजीवों के संगठित शिकार और अवैध व्यापार के खिलाफ वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए गंगालूर तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम रेड्डी में छापेमारी के दौरान टीम ने मौके से 9.260 किलोग्राम वजनी पैंगोलिन के शल्क (स्केल) बरामद किया। इस मामले में चार संदिग्ध आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ के दौरान वन्यजीव अंगों की खरीद-फरोख्त और संगठित तस्करी से जुड़े कई अहम तथ्य सामने आए। तस्करों से मिली जानकारी के आधार पर टीम ने बासागुड़ा क्षेत्र के ग्राम मल्लेपल्ली में दूसरी छापेमारी से तेंदुए की एक खाल बरामद की गई। इस दूसरी कार्रवाई के दौरान दो अन्य आरोपियों को भी हिरासत में लिया गया। इस प्रकार वन विभाग के दोनों अभियानों में कुल मिलाकर छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पैंगोलिन और तेंदुआ दोनों ही वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची-द्ध में शामिल अति संरक्षित प्रजातियां हैं। इन वन्यजीवों का शिकार करना, उनके अंगों का संग्रह करना या उनका अवैध व्यापार करना गैर-जमानती अपराध की श्रेणी में आता है। इन मामलों में कठोर कारावास और अर्थदंड का प्रावधान है। बीजापुर के डीएफओ सागर जाधव ने इसकी पुष्टि करते हुए आम नागरिकों से कहा कि यदि किसी भी व्यक्ति को क्षेत्र में वन्यजीवों के शिकार अथवा उनके अंगों के अवैध व्यापार से जुड़ी कोई भी जानकारी मिलती है, तो वे तुरंत इसकी सूचना नजदीकी वन विभाग के कार्यालय को दें, ताकि समय रहते ऐसे अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की जा सके।

राज्य स्तरीय आदिवासी लोक नृत्य महोत्सव के लिए दंतेवाड़ा में होगा उत्कृष्ट दल का चयन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 7 नवंबर। जुगल किशोर डंडौतिया (संवाददाता) प्रदेश की समृद्ध आदिवासी लोक संस्कृति, पारंपरिक कला, रीति-रिवाज एवं नृत्य विधाओं को संरक्षण और प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय आदिवासी लोक नृत्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए दंतेवाड़ा जिले से उत्कृष्ट आदिवासी लोक नर्तक दल का चयन किया जाएगा। महोत्सव का उद्देश्य प्रदेश की समृद्ध आदिवासी लोक संस्कृति, पारंपरिक कला, रीति-रिवाज एवं नृत्य विधाओं को संरक्षण और प्रोत्साहन देना है। इसके माध्यम से आदिवासी समाज की पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत को व्यापक मंच प्रदान करने के साथ ही स्थानीय कलाकारों की प्रतिभा को सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है। प्राप्त प्रविष्टियों में से जिला स्तर पर उत्कृष्ट आदिवासी लोक नर्तक दल का चयन किया जाएगा। चयनित दल को 13 नवंबर 2026 को जिला मुख्यालय रायगढ़ में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दंतेवाड़ा जिले का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होने वाले प्रतिभागी नर्तक दलों के लिए आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था विभाग द्वारा की जाएगी। इसके अलावा प्रत्येक प्रतिभागी दल के साथ जिले के एक जिम्मेदार अधिकारी को नोडल अधिकारी के रूप में उपस्थित रहने की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, ताकि कलाकारों की सहभागिता एवं आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा सकें। जिले के इच्छुक एवं पात्र पारंपरिक आदिवासी लोक कला नर्तक दल निर्धारित समयावधि में अपनी प्रविष्टियां कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग, जिला दंतेवाड़ा में जमा कर सकते हैं। प्रतियोगिता से संबंधित विस्तृत नियमों, पात्रता एवं अन्य आवश्यक जानकारियों के लिए कार्यालयीन समय में संबंधित कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

जमीन और वन अधिकार को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सुकमा, 7 नवंबर। बस्तरिया राज मोर्चा के आह्वान पर जिले में जमीन, जंगल और वन अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर हजारों ग्रामीणों ने एकजुट होकर हड़मा स्टेडियम में आयोजित विशाल जनसभा में सुकमा, छिंदगढ़ और कोंटा विकासखंड के ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए। ग्रामीणों ने राजस्व रिकॉर्ड में कथित गड़बड़ी, वनाधिकार पट्टा, जमीन पर वास्तविक कब्जे का अधिकार और खरीफ फसल को हुए नुकसान जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। सभा में पूर्व विधायक और बस्तरिया राज मोर्चा के संयोजक मनीष कुंजाम भी मौजूद रहे।

हड़मा स्टेडियम में आयोजित आमसभा के दौरान अलग-अलग गांवों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई परिवार वर्षों से जमीन पर खेती और निवास कर रहे हैं, लेकिन राजस्व रिकॉर्ड में उनका नाम दर्ज नहीं होने के कारण उन्हें अपने अधिकार हासिल करने में



परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सभा को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक और बस्तरिया राज मोर्चा के संयोजक मनीष कुंजाम ने कहा कि हजारों ग्रामीणों की भागीदारी इस बात का संकेत है कि जमीन और वन अधिकारों से जुड़ी समस्याएं गंभीर हैं। इनका समाधान समय रहते होना जरूरी है। उन्होंने प्रशासन से पांच सूत्रीय मांगों पर गंभीरता से विचार करने और तय समयसीमा में कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की। कुंजाम ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ग्रामीणों की समस्याओं को नजरअंदाज किया गया और मांगों का निराकरण नहीं हुआ, तो आने वाले समय में इससे भी बड़ा जन आंदोलन किया जाएगा। सभा में प्रमुख रूप से इन मुद्दों पर चर्चा हुई- राजस्व अभिलेखों में दर्ज कथित गलत नामों को हटाना। वास्तविक कब्जाधारी परिवारों को जमीन का मालिकाना हक देना। मालिक मकबूजा जमीन से जुड़े विवादों का समाधान। पात्र आदिवासी परिवारों को वनाधिकार पट्टा उपलब्ध कराना। सामुदायिक वन संसाधनों पर ग्राम सभाओं का अधिकार सुनिश्चित करना। खरीफ फसलों को हुए नुकसान का मुआवजा देना। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि इन समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, ताकि आदिवासी परिवारों को बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें।

एक नजर

ग्राम तरकेला में आयोजित ग्रामीण सूचना केंद्र में किसानों को दी गई आधुनिक कृषि तकनीक की जानकारी



रायगढ़, 7 नवम्बर। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत खेती के तरीकों एवं शासन की विभिन्न कृषि योजनाओं से अवगत कराने के उद्देश्य से कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, बोईरदादर रायगढ़ द्वारा रावे कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम तरकेला में ग्रामीण सूचना केंद्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों एवं ग्राम के उपसरपंच ने सहभागिता की। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों एवं रावे समन्वयक ने ग्रामीण सूचना केंद्र के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डालते हुए किसानों को बताया कि इसके माध्यम से उन्हें कृषि क्षेत्र में हो रहे नवीन अनुसंधानों, आधुनिक तकनीकों, उन्नत कृषि पद्धतियों तथा शासन की विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलेगी। साथ ही किसानों को नई तकनीकों को अपनाकर खेती को अधिक लाभकारी एवं उन्नत बनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को कृषि संबंधी उपयोगी जानकारियां उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र के डीन श्री ए.के. सिंह, रावे कार्यक्रम समन्वयक श्री बृजेश पटेल, पादप रोग विज्ञान विभाग के प्राध्यापक श्री के.एन.खोसले तथा मृदा विज्ञान विभाग के प्राध्यापक श्री जी.आर.राठिया उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद के लिए 13 नवंबर तक दावा-आपत्ति आमंत्रित

रायगढ़, 7 नवम्बर । एकीकृत बाल विकास परियोजना रायगढ़ (ग्रामीण) अंतर्गत ग्राम पंचायत कांटाहरदी के आंगनबाड़ी केंद्र खाल्हेपारा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रिक्त एक पद पर भर्ती के लिए प्राप्त आवेदनों का मूल्यांकन कर अनंतिम मूल्यांकन सूची जारी कर दी गई है। जिसे विभागीय ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किया गया है। साथ ही इसे परियोजना कार्यालय के सूचना पटल पर भी चस्पा किया गया है। जारी सूची के संबंध में यदि किसी आवेदिका को लिपिकीय त्रुटि या मूल्यांकन से संबंधित कोई दावा-आपत्ति प्रस्तुत करनी है, तो वह 13 नवंबर तक विभागीय ऑनलाइन पोर्टल aww.e.bharti.in पर लिखित में आवेदन प्रस्तुत कर सकती हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा-आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए CG-ACE योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन 30 नवंबर तक

रायगढ़, 7 नवम्बर। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर प्रशासनिक सेवाओं में अपना भविष्य बनाने का सपना देख रहे अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा ष्टत्र-ष्टश्च योजना 2026 के अंतर्गत 'शिखर (भाग-1)' योजना के माध्यम से नई दिल्ली में निःशुल्क कोचिंग एवं परीक्षा की तैयारी के लिए पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया 6 नवंबर से प्रारंभ हो गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 30 नवंबर 2026 की रात्रि 11.59 बजे तक आवेदन कर सकते हैं।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार योजना के अंतर्गत अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए 150 सीटें, अनुसूचित जाति वर्ग के लिए 60 सीटें तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 80 सीटें निर्धारित की गई हैं। इस प्रकार कुल 290 अभ्यर्थियों को योजना का लाभ मिलेगा। प्रत्येक वर्ग में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित रखी गई हैं। योजना के नियमों के अनुसार चयनित अभ्यर्थियों को निर्धारित सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। ऐसे पात्र अभ्यर्थी जो नई दिल्ली में रहकर संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करना चाहते हैं, वे निर्धारित तिथि के भीतर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार के लिए 1 दिसंबर से 4 दिसंबर 2026 तक का समय निर्धारित किया गया है। वहीं, प्राक्कयन परीक्षा आयोजित करने की संभावित तिथि 13 दिसंबर 2026, रविवार निर्धारित की गई है।

वेबसाइट पर उपलब्ध होगी विस्तृत जानकारी इच्छुक अभ्यर्थी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट https://hmstribal.cg.nic.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। योजना से संबंधित विस्तृत विज्ञापन एवं नियमावली भी इसी वेबसाइट पर उपलब्ध है, जहां से अभ्यर्थी उसका अवलोकन एवं डाउनलोड कर सकते हैं। पात्रता, परीक्षा केंद्र, परीक्षा परिणाम सहित अन्य आवश्यक जानकारियां भी विभागीय वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त की जा सकती हैं।

दीपावली से पहले आबकारी विभाग ने एक सप्ताह में अवैध शराब के 46 प्रकरण दर्ज किए

8 आरोपी भेजे गए जेल 10 गैर.जमानती मामले दर्ज 381.79 लीटर महुआ शराब और 950 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 7 नवम्बर । दीपावली पर्व के मद्देनजर जिले में अवैध शराब के निर्माणए भंडारण और बिक्री पर अंकुश लगाने आबकारी विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार एवं प्रभारी सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में जिलेभर में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत विभाग ने बीते एक सप्ताह में व्यापक कार्रवाई की है। इस दौरान आबकारी अधिनियम के तहत कुल 46 प्रकरण दर्ज किए गएए जिनमें 10 गैर.जमानती प्रकरण शामिल हैं। कार्रवाई में 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कराया गया। वहीं कुल 381ण्79 लीटर अवैध मदिरा और 950 किलोग्राम तैयार महुआ लाहन जब्त किया गया है। जब्त सामग्री का बाजार मूल्य लगभग 1 लाख 20 हजार 540 रुपये आंका गया है।

अवैध शराब के विरुद्ध अभियान के तहत 29 अक्टूबर 2026 को



आबकारी उपनिरीक्षक श्री अंकित अग्रवाल ने रायगढ़ उत्तर वृत्त के अंतर्गत ग्राम तिलगाए थाना चक्रधर नगर में छापेमारी की। यहां वीरेंद्र राठिया के कब्जे से 10 लीटर महुआ शराबए जिसकी बाजार कीमत 2 हजार रुपये है जब्त की गई। इसी दिन खरसिया वृत्त के आबकारी उपनिरीक्षक श्री कुशल कुमार पटेल ने ग्राम चोडा में कार्रवाई करते हुए रमेश कुमार राठिया के कब्जे से 20ण्200 लीटर महुआ शराब जब्त कीए जिसका बाजार मूल्य 4 हजार 40 रुपये है। 30 अक्टूबर को घरघोड़ा वृत्त के



आबकारी उपनिरीक्षक श्री प्रदीप वर्मा ने घरघोड़ा क्षेत्र में दो अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए। पहली कार्रवाई में आरती मांझी के कब्जे से 25 लीटर महुआ शराबए जिसकी कीमत 5 हजार रुपये हैए जबकि दूसरी कार्रवाई में प्रेम बाई पैकरा के कब्जे से 6.200 लीटर महुआ शराबए जिसकी कीमत 1 हजार 240 रुपये हैए जब्त की गई। वहीं 31 अक्टूबर को रायग? उत्तर वृत्त की टीम ने चक्रधर नगर थाना क्षेत्र के ग्राम रेगडा स्थित जंगल में छापेमारी की। यहां लावारिस हालत में 195 लीटर महुआ शराब और 440 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया गया। जब्त सामग्री का बाजार मूल्य 61 हजार रुपये आंका गया है।

तमनार रायगढ़ शहर और कोतरारोड में भी कार्रवाई

2 नवंबर को घरघोड़ा वृत्त के आबकारी उपनिरीक्षक श्री प्रदीप वर्मा ने तमनार थाना क्षेत्र के ग्राम तमनार में कार्रवाई करते हुए बनमती बाई उरांव के कब्जे से 9 लीटर महुआ शराब जब्त की। इसकी बाजार कीमत 1 हजार 800 रुपये बताई गई है। 3 नवंबर को रायग? शहर वृत्त के आबकारी उपनिरीक्षक श्री हरीश कुमार पटेल एवं उनकी टीम ने कोतवाली थाना क्षेत्र के मधुबन पाराए टिकरापारा में छापेमारी की। इस दौरान फूलमती उरांव के कब्जे से 14 लीटर महुआ शराब बरामद की गईए जिसकी कीमत 2 हजार 800 रुपये है। 4 नवंबर को आबकारी उपनिरीक्षक प्रदीप वर्मा एवं श्री याजेन्द्र मेहर की संयुक्त टीम ने कोतरारोड थाना क्षेत्र के ग्राम गोर्रा में कार्रवाई करते हुए कलाराम बघेल के कब्जे से 12 लीटर महुआ शराब जब्त की। वहीं रायगढ़ उत्तर वृत्त के आबकारी उपनिरीक्षक श्री अंकित अग्रवाल ने ग्राम उच्चभिट्ठी में छापेमारी कर बलराम चौहान 30 वर्ष के कब्जे से 12 लीटर महुआ शराब बरामद की। दोनों मामलों में जब्त शराब का बाजार मूल्य 2 हजार 400.2 हजार 400 रुपये है।

पुसौर के बरपाली में 62.800 लीटर महुआ शराब और 500 किलो लाहन जब्त

5 नवंबर को आबकारी उपनिरीक्षक श्री प्रदीप वर्मा एवं श्री याजेन्द्र मेहर की टीम ने पुसौर थाना क्षेत्र के ग्राम बरपाली में तालाब किनारे छापेमारी की।

यहां लावारिस हालत में 62ण्800 लीटर महुआ शराब और 500 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया गया। जब्त सामग्री का बाजार मूल्य 37 हजार 560 रुपये आंका गया है। इस मामले में आबकारी विभाग द्वारा अज्ञात आरोपियों की तलाश की जा रही है।

होटल-ढाबों की जांच जारी अभियान रहेगा निरंतर

आबकारी विभाग द्वारा की गई कार्रवाई में आबकारी अधिनियम की धारा के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही अवैध मदिरा के निर्माण एवं बिक्री पर रोक लगाने के लिए जिले के होटल ढाबों और मदिरा दुकानों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। प्रभारी सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी ने सभी वृत्त प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित गश्त करने होटल.ढाबों की जांच करने तथा अवैध मदिरा के निर्माण परिवहन और बिक्री में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार दीपावली पर्व के दौरान भी विशेष निगरानी और छापेमारी जारी रहेगी।

संपूर्ण कार्रवाई को सफल बनाने में जिला आबकारी कार्यालय के मुख्य आरक्षकों एवं आरक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आईएसबीएम विवि में हर्षोल्लास किया गया इको-फ्रेंडली दीपावली मिलन समारोह का आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा, 7 नवंबर। आईएसबीएम विश्वविद्यालय, छुरा में दीपावली के अवसर पर इको-फ्रेंडली दीपावली मिलन समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। विश्वविद्यालय के अकादमिक ब्लॉक-क्ष में आयोजित इस समारोह में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य दीपावली की खुशियों को आपसी प्रेम, सद्भाव एवं भाई-चारे के साथ साझा करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके पश्चात स्वागत उद्बोधन में विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने सभी अतिथियों एवं कर्मचारियों का स्वागत करते हुए दीपावली मिलन समारोह के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. ओमप्रकाश साहू, डीन



एकेडमिक्स डॉ. एन. के. स्वामी, तथा कुलसचिव डॉ. बी. पी. भोल ने अपने उद्बोधन में दीपावली की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि दीपावली प्रकाश, सकारात्मकता, आपसी प्रेम और सामाजिक सद्भाव का पर्व है। उन्होंने सभी से त्योहार को पर्यावरण के अनुकूल मनाने तथा स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण बनाए रखने की अपील की।समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। श्री कामेश यादव द्वारा प्रस्तुत गीत ने उपस्थितजनों का मनोरंजन किया, वहीं महिला कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक सुवा नृत्य ने छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की सुंदर झलक प्रस्तुत की। इसके पश्चात कुलसचिव डॉ. बी. पी. भोल द्वारा विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को दीपावली उपहार वितरित किए गए।इस अवसर पर पर्यावरण अनुकूल दीपावली मनाने का संदेश देते हुए पटाखों के उपयोग से बचने, पर्यावरण अनुकूल रोशनी एवं मिट्टी के दीपकों को प्राथमिकता देने तथा आस-पास स्वच्छता बनाए रखने पर जोर दिया गया। 'ग्रीन दिवाली, क्लीन दिवाली 'के संदेश के माध्यम से प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समिति के सदस्यों में सुश्री हिमांशी साहू, सुश्री डॉली यादव, सुश्री ट्विंकल दीपक, सुश्री सुकृति पाठक, श्री किरण ठाकुर, श्री कृष्णा साहू एवं श्री विकास कुमार साहू ने सक्रिय योगदान दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन सुश्री सुकृति पाठक ने किया तथा अंत में श्री कृष्णा साहू द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात सभी कर्मचारियों ने सामूहिक छायाचित्र के माध्यम से समारोह की यादों को संजोया।विशेष सुधार स्वागत उद्बोधन और अधिकारियों के शुभकामना संदेश को अलग-अलग भाव में शामिल किया गया है तथा संयुक्त कुलसचिव डॉ. रानी झा का नाम भी कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार जोड़ा गया है।

दीपावली पर्व से पहले महिलाओं के खातों में आई महतारी वंदन योजना की राशि

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 7 नवम्बर । छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वंदन योजना ने जिले की महिलाओं के लिए दीपावली त्योहार की खुशियों को और बढ़ा दिया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा योजना की 33वीं किस्त के रूप में एक हजार रुपये की राशि उनके बैंक खाते में अंतरित किए जाने से उन्हें दीपावली की तैयारियों के लिए आर्थिक सहारा मिला है। समय पर मिली इस राशि से महिलाएं अपने परिवार के साथ दीपावली का त्योहार उत्साह और उमंग के साथ मनाने की तैयारी कर रही हैं।

ग्राम ननसिया की श्रीमती दुर्गा चक्रपाणी बताती हैं कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से उन्हें हर महीने नियमित रूप से एक हजार रुपये की सहायता राशि सीधे बैंक खाते में प्राप्त हो रही है। यह राशि घरेलू जरूरतों को पूरा करने में काफी मददगार साबित हो रही है। इस



बार दीपावली से पहले 33वीं किस्त मिलने से खुशी दोगुनी हो गई है। उन्होंने कहा कि वे इस राशि का उपयोग दीपावली के लिए दीये, पूजन सामग्री और मिठाइयां खरीदने सहित त्योहार की अन्य आवश्यक तैयारियों में कर रही है। उनका कहना है कि योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि सहायता राशि बिना किसी परेशानी के सीधे बैंक खाते में पहुंच जाती है। इससे उन्हें राशि प्राप्त करने के लिए कहीं भटकना नहीं पड़ता और वे अपनी जरूरत के अनुसार इसका उपयोग कर पाती हैं। हर महीने मिलने वाली यह आर्थिक सहायता परिवार की छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने में सहयोगी बन रही है। दीपावली जैसे महत्वपूर्ण पर्व से पहले खाते में राशि पहुंचने पर दुर्गा चक्रपाणी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि योजना से मिलने वाली नियमित सहायता महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ परिवार की जिम्मेदारियों में सहयोग करने का अवसर भी दे रही है।महतारी वंदन योजना आज प्रदेश की महिलाओं के लिए आर्थिक संबल का माध्यम बन रही है। पात्र महिला हितग्राहियों के लिए यह सहायता केवल एक हजार रुपये तक सीमित नहीं है, बल्कि अपनी जरूरतें पूरी करने, परिवार की खुशियों में सहभागी बनने और त्योहार को अपने सामर्थ्य के अनुसार उत्साह से मनाने का भरोसा भी है। इस दीपावली दुर्गा के घर जलने वाले दीयों के साथ महतारी वंदन योजना से मिली सहायता भी उनके जीवन में खुशियों का उजाला बिखेर रही है।

छाती-गागरा-कंडेल-देवपुर मार्ग का 25 करोड़ रुपये से होगा निर्माण

धमतरी, 7 नवंबर । जिले में आवागमन को सुगम बनाने, यातायात का दबाव कम करने और ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर सड़क सुविधा से जोड़ने के उद्देश्य से छाती-गागरा-कंडेल-देवपुर मार्ग का निर्माण किया जा रहा है। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने बीते दिनों क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान इस सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और अधिकारियों से प्रगति की जानकारी ली।लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत से 9 किलोमीटर लंबी इस सड़क का निर्माण किया जा रहा है। सड़क की चौड़ाई 7 मीटर निर्धारित की गई है। वर्तमान में प्रारंभिक चरण के अंतर्गत पेड़ों की कटाई एवं सड़क के समतलीकरण का कार्य किया जा रहा है।इस मार्ग के निर्माण से छाती, गागरा, कंडेल और देवपुर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के तहत छुईहा और चिगरिया में शिविर आयोजित

महासमुंद, 7 नवंबर । वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के अंतर्गत जिले के विकासखंड बागबाहरा के ग्राम पंचायत छुईहा एवं चिगरिया में विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 150 ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान ग्रामीणों को विभिन्न बैंकिंग सेवाओं, केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, वित्तीय जागरूकता तथा साइबर धोखाधड़ी से बचाव के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।

शिविर में भारतीय रिजर्व बैंक, रायपुर के वित्तीय समावेशन एवं विकास विभाग के एलडीओ श्री क्षितिज वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में ग्रामीणों से वित्तीय समावेशन अभियान का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा संचालित इस अभियान के तहत देश की सभी ग्राम पंचायतों में पंचायत स्तर पर कम से कम एक शिविर आयोजित किया जा रहा है, ताकि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक बैंकिंग सुविधाओं एवं शासकीय वित्तीय योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सके।

इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक श्री प्रकाश चंद्र मेहेर तथा छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, तेंदुकोना के प्रबंधक श्री पुनीथ शर्मा ने ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना के अंतर्गत पंजीयन की प्रक्रिया समझाई गई। इसके साथ ही बैंक खातों को आधार से जोड़ने, केवाईसी एवं री-केवाईसी अपडेट कराने, सी-केवाईसी, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, नामांकन तथा निष्क्रिय एवं बिना दावे वाली जमा राशि के निपटान के लिए आवेदन की प्रक्रिया बताई गई।ग्रामीणों को किसान क्रेडिट कार्ड, डीफ खाते के क्लेम, बैंकिंग लोकपाल योजना एवं बैंकिंग संबंधी शिकायतों के निवारण के बारे में भी जानकारी दी गई। साथ ही साइबर अपराधों से सतर्क रहने की अपील करते हुए बताया गया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी साझा नहीं करना चाहिए। बैंक खाते का उपयोग स्वयं करना चाहिए तथा किसी अन्य व्यक्ति को अपना बैंक खाता किराये पर या लेन-देन के लिए उपलब्ध नहीं कराना चाहिए, ताकि मनी म्यूल जैसी साइबर धोखाधड़ी से बचा जा सके। साइबर वित्तीय धोखाधड़ी होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी गई।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के घर को दिवाली पर्व में खुशियों से रोशन करने सेवार्थ विद्यार्थी चला रहा हर घर दिवाली अभियान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा, 7 अक्टूबर। दीपावली का पर्व हर घर में खुशियां और रोशनी लेकर आए, इसी उद्देश्य से सेवार्थ विद्यार्थी गरियाबंद द्वारा हर घर दिवाली अभियान चलाया जा रहा है। कार्यक्रम प्रमुख याशिका कौर ने इस अभियान के बारे में जानकारी देते हुए यह बताया कि इस अभियान के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों तक दीपावली की खुशियां पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

अभियान के अंतर्गत ऐसे परिवारों की सहायता के लिए समाज के लोगों से अपील की जा रही है, जो आर्थिक तंगी के कारण दीपावली का त्योहार उत्साहपूर्वक नहीं मना पाते। इसके लिए आम नागरिकों से पुराने लेकिन अच्छी स्थिति के कपड़े, जूते, चप्पल, पटाखे, पुस्तकें एवं दीपक आदि सामग्री प्रदान करने का आग्रह



किया गया है, ताकि जरूरतमंद परिवारों के घर भी दीपावली की खुशियों से रोशन हो सकें।अभियान की संयोजक पूनम सिन्हा, सह-संयोजक सुजल यादव एवं कार्यक्रम प्रमुख याशिका कौर ने जिलेवासियों से इस सामाजिक एवं सेवाभावी पहल में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाने की अपील की है। अभियान में सहयोग की भावना रखने वाले हेतु संपर्क सूत्र 6266134155, 8305968346 जारी किया गया है । स्टूडेंट फॉर सेवा के कार्यकर्ता का मत हैं कि दीपावली केवल अपने घर को रोशन करने का पर्व नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में भी खुशियों का उजाला लाने का अवसर है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति के छोटे से सहयोग से किसी जरूरतमंद परिवार की दिवाली यादगार बन सकती है। इस अभियान मे भावना सिन्हा, खुशी साहू, एकलव्य शुक्ला, तुषार साहू, मोना, पायल एवं अन्य कार्यकर्ता लगे हुए है।

देवपुर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनेगा शेड, मुख्य मार्ग पर व्यावसायिक परिसर विकसित करने की तैयारी

धमतरी, 7 नवंबर । जिले के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से देवपुर में विभिन्न विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने बीते दिन देर शाम देवपुर पहुंचे और डोंगेश्वर धाम परिसर में प्रस्तावित शेड निर्माण कार्य का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि डोंगेश्वर धाम परिसर में शेड का निर्माण होने से यहां आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों, मेलों एवं अन्य आयोजनों में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा मिलेगी। विशेषकर वर्षा और तेज धूप के दौरान श्रद्धालुओं को बैठने एवं कार्यक्रमों में सहभागिता करने के लिए बेहतर व्यवस्था उपलब्ध होगी।

उन्होंने मुख्य सड़क के किनारे व्यावसायिक परिसर निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए। इससे स्थानीय लोगों को दुकान एवं व्यवसाय संचालन के अवसर मिल सकेंगे। साथ ही धार्मिक स्थल पर आने वाले श्रद्धालुओं को आवश्यक सामग्री एवं अन्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी।

समाचार संक्षेप

धान के बदले दलहन तिलहन फसल लेने वाले कृषकों के लिए एकीकृत किसान पोर्टल के पंजीयन तिथि में वृद्धि

महासमुंद, 7 नवंबर । खरीफ सीजन में फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने दलहन तिलहन सहित अन्य वैकल्पिक फसलों की खेती पर आकर्षक प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की है। उप संचालक कृषि श्री एफ आर कश्यप ने बताया कि कृषक उन्नति योजना के तहत धान के बदले मक्का, कोदो, कुटकी, रागी, दलहन तिलहन एवं कपास जैसी खरीफ फसलें लेने वाले किसानों को 15 हजार रूपये प्रति एकड़ की दर से आदान सहायता राशि दिया जाना है एवं धान के अतिरिक्त अन्य फसल लेने वाले कृषकों को राशि 10 हजार रूपये प्रति एकड़ की दर से आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। पूर्व में एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन की तिथि 01 जुलाई 2026 से 31 अक्टूबर 2026 था, जिसे वर्तमान में पंजीयन तिथि को बढ़ाकर 15 नवम्बर 2026 किया गया है। गिरदावरी सत्यापन के बाद पात्र किसानों को मान्य रकबे के आधार पर आदान सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी। इस योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन कराना अनिवार्य होगा, जिसे वे अपने नजदीकी सेवा सहकारी समिति के माध्यम से भी पंजीयन की कार्यवाही पूर्ण कर सकते है।

पीएम आशा के तहत एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन अब 15 नवम्बर तक

महासमुंद, 7 नवंबर । जिले के सभी विकासखण्डों में प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम आशा) के तहत प्राईस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत खरीफ वर्ष 2026-27 दलहन, तिलहन फसलों के खरीदी समर्थन मूल्य पर होगी। उप संचालक कृषि श्री एफ.आर. कश्यप ने बताया कि खरीफ में अरहर, उड़द, मूंग, मूगफली एवं सोयाबीन अधिसूचित फसलों का निर्धारित समर्थन मूल्य पर खरीदी की व्यवस्था की गई है। जिसमें अरहर 8450 रूपये प्रति क्विंटल, उड़द 8200, मूंग 8780, मूंगफली 7517 रूपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन 5708 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित है, खरीफ महासमुंद जिले में कुल 5 खरीदी केन्द्र बनाए गए है, उपार्जन केन्द्र कृषि उपज मंडी पिटियाझर, महासमुंद, प्राथमिक कृषि साख समिति सिरींपठारीमुड़ा बागबाहरा, प्राथमिक कृषि साख समिति पिथौरा, प्राथमिक कृषि साख समिति भंवरपुर, कृषि उपज मंडी सरायपाली इन केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर खरीदी ई-समृद्धि पोर्टल के माध्यम से किया जाना है। इनमें समर्थन मूल्य का लाभ उन्ही कृषकों को मिलेगा, जो एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीकृत होगें एवं एक सप्ताह के अंदर भुगतान की प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाती है। अब किसानों को अपनी उपज औने-पौने दामों पर बिचैलियों को बेचने की मजबूरी नहीं होगी, बल्कि उन्हें उनकी मेहनत का सही और वाजिब मूल्य मिल सकेगा। एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन की तिथि 01 जुलाई से 31 अक्टूबर 2026 तक था। जिसमें संशोधन कर एकीकृत किसान पोर्टल में कृषकों का निर्धारित पंजीयन कराने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 नवम्बर 2026 तक कर दी गई है।

कंडेल में 4.65 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा महाविद्यालय

धमतरी, 7 नवंबर । ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च शिक्षा की पहुंच बढ़ाने और युवाओं को अपने ही क्षेत्र में बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कंडेल में 4 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से महाविद्यालय का निर्माण किया जा रहा है। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने बीते दिनों कंडेल प्रवास के दौरान निर्माण स्थल का निरीक्षण कर कार्य की लागत, नक्शे एवं प्रस्तावित संरचना का अवलोकन किया।

इस अवसर पर कलेक्टर ने पंचायत पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए कहा कि महाविद्यालय की स्थापना से कंडेल सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए दूरस्थ शहरों की ओर जाने की आवश्यकता कम होगी। विशेष रूप से ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के युवाओं को शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे। महाविद्यालय के साथ पुस्तकालय जैसी सुविधाओं के विकास से विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी सहायता मिलेगी।उन्होंने कहा कि शिक्षा संबंधी अधोसंरचनाओं का विकास ग्रामीण युवाओं के भविष्य को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण साबित होगा। इससे क्षेत्र में शैक्षणिक वातावरण मजबूत होगा और विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के अधिक अवसर मिलेंगे।कलेक्टर ने बताया कि गांव में गोदाम, पंचायत भवन, विवाह भवन तथा महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण जैसे कार्य भी किए जा रहे हैं। इन विकास कार्यों से ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी और सामाजिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

छाती क्षेत्र में रोजगार के लिए इलेक्ट्रिक व्हीकल सेंटर का विकास किया जा रहा

धमतरी, 7 नवंबर । जिले के छाती क्षेत्र में विकास एवं रोजगार की संभावनाओं को विस्तार देने की दिशा में इलेक्ट्रिक व्हीकल सेंटर का विकास किया जा रहा है। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने बीते दिनों छाती पहुंचकर सेंटर का नि

एक नजर

राज्यपाल ने प्रदेशवासियों को दी दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

रायपुर, 7 नवंबर। प्रकाश के पावन पर्व दीपावली के अवसर पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका ने प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई और आत्मीय शुभकामनाएं दी हैं। दीपावली के साथ-साथ धनतेरस, नरक चतुर्दशी, गोवर्धन पूजा और भाई दूज के इस पांच दिवसीय महापर्व पर उन्होंने सभी नागरिकों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और नए उत्साह के संचार की कामना की है। अपने शुभकामना संदेश में राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि दीपावली हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति और महान परंपराओं से जुड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। यह पावन त्योहार हमें हमेशा सत्य, सद्भाव और सद्कर्मों के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि दीपों का यह पर्व हमारे जीवन में ज्ञान, आशा और सकारात्मकता का संचार करता है। साथ ही, यह अवसर परिवार, समाज और राष्ट्र के बीच प्रेम, आपसी विश्वास तथा भाईचारे की भावना को और अधिक प्रगाढ़ बनाने का सशक्त संदेश देता है। राज्यपाल ने अपने संदेश में विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि त्योहारों की वास्तविक सार्थकता तभी है जब इनकी खुशियां समाज के अंतिम व्यक्ति और सभी वर्गों तक पहुंचें। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि इस पावन अवसर पर समाज के जरूरतमंद लोगों के साथ अपनी खुशियां साझा करें। इसके साथ ही, पर्यावरण की स्वच्छता और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए दीपोत्सव मनाने का आग्रह किया। राज्यपाल श्री डेका ने अंत में कामना की कि दीपावली का यह प्रकाश पर्व सभी के जीवन को रोशन करे तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश में आपसी सद्भाव, भाईचारा और सामाजिक एकता की भावना निरंतर और मजबूत हो।

परियोजना पसान अंतर्गत आंगनबाड़ी सहायिका पद पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित

कोरबा 7 नवंबर। एकीकृत बाल विकास परियोजना पसान अंतर्गत आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु आवेदन पत्र 11 नवंबर से 26 नवंबर 2026 तक आमंत्रित किये गये हैं। एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय पसान से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पसान के आंगनबाड़ी केन्द्र बोकमुड़ी एवं ग्राम तनेरा के आंगनबाड़ी केन्द्र बिलासपुर मोहल्ला में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु आवेदन पत्र मंगाये गये हैं। इच्छुक आवेदिका पोर्टल https://aww.e-bharti.in/ में पंजीयन कर आवेदन कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त होने वाले आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जायेगा।इस संबंध में अधिक जानकारी हेतु एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय पसान से संपर्क किया जा सकता है।

विष्णु की पाती' पाकर प्रसन्नचित हुईं 'ड्रोन दीदी' भुवनेश्वरी साहू

बालोद, 7 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल और महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में शुरू किए गए प्रयासों से ग्रामीण महिलाओं के जीवन में नया आत्मविश्वास जागृत हो रहा है। इसी कड़ी में गुण्डरदेही विकासखण्ड के परसदा डंग की 'ड्रोन दीदी' श्रीमती भुवनेश्वरी साहू को मुख्यमंत्री की ओर से विशेष संदेश के रूप में 'विष्णु की पाती' प्राप्त हुई है। प्रदेश के मुखिया से आत्मीय संदेश और बधाई पत्र पाकर भुवनेश्वरी साहू की खुशियों का ठिकाना नहीं रहा और उन्होंने इस अनमोल संदेश को हमेशा के लिए सहेजने हेतु फोटो फ्रेम कराकर रख लिया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपनी 'पाती' के माध्यम से श्रीमती भुवनेश्वरी साहू के आत्मनिर्भरता के प्रयासों की प्रशंसा की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने पत्र के माध्यम से भुवनेश्वरी के साथ-साथ उनके पूरे परिवार को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। जिले में 'ड्रोन दीदी' के रूप में सक्रिय श्रीमती भुवनेश्वरी साहू ने बताया कि केंद्र व राज्य शासन की महत्वाकांक्षी 'नमो ड्रोन दीदी' योजना ने उनके जीवन को एक नई दिशा दी है। योजना के माध्यम से तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त कर वे आधुनिक कृषि तकनीक से जुड़ीं। खेतों में आधुनिक तरीके से कीटनाशक एवं उर्वरक छिड़काव का कार्य करके वे न केवल किसानों की मदद कर रही हैं।

कृषक उन्नति योजना खरीफअनुदान वितरण प्रक्रिया होगी पूरी तरह पारदर्शी और सरल : मुख्य सचिव

रायपुर, 7 नवंबर। छत्तीसगढ़ में किसानों को कृषि के क्षेत्र में और अधिक संबल प्रदान करने की दिशा में राज्य सरकार ने तैयारी तेज कर दी है। मंत्रालय महानदी भवन में आज मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में कृषक उन्नति योजना खरीफ-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के तहत किसानों को आदान सहायता (अनुदान) राशि प्रदान करने की प्रक्रिया, पात्रता के दिशा-निर्देशों और डेटाबेस एकीकरण पर विस्तार से मंथन किया गया।



बैठक में मुख्य सचिव श्री विकासशील ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना का क्रियान्वयन पूरी तरह पारदर्शी, सरल और त्रुटिरहित होना चाहिए। उन्होंने कृषि विभाग के विभिन्न पोर्टलों और धान खरीदी डेटाबेस को आपस में एकीकृत करने पर जोर दिया, जिससे किसानों से बार-बार दस्तावेज या जानकारी मांगने की आवश्यकता न पड़े। डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देते हुए उन्होंने डिजिटल क्रॉप सर्वे, किसान आईडी, फार्म आईडी और गिरदावरी के आंकड़ों को आपस में जोड़कर किसानों की कुल भूमि और फसल के रकबे की जानकारी का बेहतर उपयोग करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि किसानों को अपनी विशिष्ट फार्म आईडी की पुष्टि करने तथा योजना के तहत अनुदान हेतु आवेदन करने की सहज सुविधा दी जाए। योजना के सुचारू संचालन हेतु योजना का लाभ लेने के लिए एग्रीस्टैक में पंजीयन अनिवार्य होगा। डिजिटल क्रॉप सर्वे में संबंधित भूमि पर धान की फसल दर्ज होना आवश्यक है। धान खरीदी प्रक्रिया के अंतर्गत कम से कम एक सफल खरीदी का लेन-देन होना जरूरी है, जिसके लिए खाद्य विभाग के धान खरीदी पोर्टल की जानकारी का उपयोग किया जाएगा।

कसानों के हितों की रक्षा और वास्तविक पात्रता सुनिश्चित करने के लिए धान खरीदी के दौरान टोकन जारी करते समय अनुदानित रकबे का सत्यापन करने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष तौर पर, पिछले वर्ष धान न बेचने वाले किसानों के मामलों में भौतिक सत्यापन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से करने को कहा गया है। इसके अतिरिक्त, बैठक में दलहन, तिलहन और मिलेट्स (कोदो-कुटकी-रागी) की खरीदी व्यवस्था तथा इन फसलों के उत्पादक किसानों को मिलने वाले प्रोत्साहन के संबंध में भी स्पष्ट जानकारी प्रसारित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने ग्रामीण अंचलों में योजना की शर्तों और आवेदन प्रक्रिया का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया ताकि किसी भी किसान को असुविधा का सामना न करना पड़े। इस बैठक में मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, वित्त एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, खाद्य विभाग की सचिव सुश्री रीना बाबा साहेब कंगाले, कृषि विभाग के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी, सहकारिता विभाग के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, राजस्व विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी, संचालक कृषि श्री राहुल देव, संचालक भू-अभिलेख श्री विनीत नंदवार और प्रबंध संचालक मार्कफेड श्री जितेन्द्र शुक्ला सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

गणेश कुमार कर ने दंतेवाड़ा की माटी से अमेरिका तक बनाई पहचान

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और विरासत को विदेशों में सहेजने के प्रयासों की सराहना की

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता





दंतेवाड़ा, 7 नवंबर। छत्तीसगढ़ की माटी से निकलकर सात समंदर पार अमेरिका में अपनी पहचान बनाने वाले छत्तीसगढ़ दंतेवाड़ा जिले के श्री गणेश कुमार कर को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर स्नेह भरा पत्र लिखकर शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने विदेश में रहते हुए भी छत्तीसगढ़ की संस्कृति, भाषा और परंपराओं से जुड़े रहने तथा प्रवासी छत्तीसगढ़ियों को एकजुट करने के उनके प्रयासों की सराहना की है। मुख्यमंत्री का व्यक्तिगत पत्र प्राप्त होने पर श्री गणेश कुमार कर ने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश जारी कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने पत्र में कहा कि दंतेवाड़ा से अमेरिका तक की श्री गणेश कुमार कर की यात्रा प्रेरणादायक है। विदेश में व्यस्त जीवन के बावजूद अपनी जन्मभूमि, भाषा, संस्कृति और परंपराओं के प्रति उनका लगाव छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरे अपनत्व को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अपनी जड़ों से जुड़े रहकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री ने नॉर्थ अमेरिका छत्तीसगढ़ एसोसिएशन के माध्यम से विदेशों में बसे छत्तीसगढ़ियों को एकजुट करने के श्री कर के प्रयासों की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि विदेश में अपनी बोली सुनने, तीज-त्योहारों को सामूहिक रूप से मनाने और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने से प्रवासी छत्तीसगढ़ियों को अपनी मातृभूमि से जुड़े रहने का अवसर मिलता है।मुख्यमंत्री ने श्री कर द्वारा आयोजित 'स्वदेशी मेला' की पहल को भी सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय उत्पादों, कला, संस्कृति और परंपराओं को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करने का यह प्रयास प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री गणेश कुमार कर की 'उड़ान' पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा और छात्रवृत्ति के लिए किए जा रहे प्रयास सामाजिक संवेदनशीलता और अपनी मातृभूमि के प्रति जिम्मेदारी का परिचय देते हैं। उन्होंने कहा कि स्वयं सफलता प्राप्त करने के साथ ही जरूरतमंद विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कार्य करना समाज के प्रति समर्पण की प्रेरणादायक मिसाल है।मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में विकसित भारत 2047 और विकसित छत्तीसगढ़ 2047 के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि विदेशों में बसे छत्तीसगढ़ियों का अनुभव, ज्ञान और अपनी मातृभूमि के प्रति लगाव प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने श्री कर से सभी प्रवासी छत्तीसगढ़ियों तक राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं पहुंचाने का भी आग्रह किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का पत्र प्राप्त होने पर श्री गणेश कुमार कर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो संदेश साझा कर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने वीडियो में मुख्यमंत्री का पत्र भी प्रदर्शित किया। उल्लेखनीय है कि दंतेवाड़ा जैसे आदिवासी बहुल वनांचल जिले से निकलकर अमेरिका में अपनी पहचान बनाने वाले श्री गणेश कुमार कर आज भी अपनी जन्मभूमि और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत से जुड़े हुए हैं। प्रवासी छत्तीसगढ़ियों को संगठित करने, भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों की शिक्षा में सहयोग के उनके प्रयास जिले के युवाओं के लिए प्रेरणादायक हैं।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की यह पहल विदेशों में निवासरत छत्तीसगढ़ियों के प्रति राज्य सरकार के आत्मीय जुड़ाव को दर्शाती है। साथ ही यह संदेश भी देती है कि दुनिया के किसी भी कोने में रहने वाला छत्तीसगढ़िया प्रदेश की अस्मिता, गौरव और विकास यात्रा का महत्वपूर्ण सहभागी है।

मुख्यमंत्री साय के पत्र में बेटियों की शिक्षा और खेलकूद में मिली शानदार सफलताओं का जिक्र

रायपुर, 7 नवंबर। छत्तीसगढ़ में शासन की योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही ग्रामीण महिलाओं के जीवन में खुशियों का नया अध्याय जुड़ा है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान योजना) से जुड़कर स्व-सहायता समूह के माध्यम से अपनी आजीविका को सशक्त बना रहीं रायपुर अंचल की श्रीमती जयंती तिर्की को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 'विष्णु के पाती' के माध्यम से राज्योत्सव और पर्वों की आत्मीय शुभकामनाएं भेजी हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने पत्र में न केवल श्रीमती जयंती तिर्की के आत्मनिर्भर बनने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की है, बल्कि उनके पूरे परिवार और विशेषकर उनकी दोनों बेटियों की शिक्षा व खेल के क्षेत्र में मिल रही शानदार सफलताओं का भी खुले दिल से जिक्र किया है।

मुख्यमंत्री ने पत्र में इस बात का विशेष उल्लेख किया कि कैसे जयंती तिर्की की छोटी बेटी ने हाल ही में एक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक (व्वसक डमकंस) हासिल कर पूरे जिले और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। एक साधारण पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखने वाले परिवार की इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री द्वारा व्यक्तिगत रूप से बधाई देना पूरे परिवार के लिए अप्रत्याशित और अत्यंत हर्ष का विषय बन गया।

मुख्यमंत्री की पाती पाकर श्रीमती जयंती तिर्की और उनका पूरा परिवार खुशी से गदगद हो उठा। अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्रीमती तिर्की ने कहा,



मुख्यमंत्री जी ने जिस आत्मीयता और अपनापन के साथ हमारे परिवार और हमारी बेटियों की छोटी-बड़ी उपलब्धियों को पत्र में याद किया है, उससे हमें शब्दों में बयां न कर पाने वाली खुशी मिली है। यह हम सभी के लिए बहुत ही गौरवशाली क्षण है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता और आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबन बनाने के साथ-साथ उनके बच्चों के भविष्य को लेकर भी बेहद संवेदनशील है। उन्होंने मुख्यमंत्री को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे इसी प्रकार प्रदेश की महिलाओं और परिवारों को आगे बढ़ाते रहें, पूरा प्रदेश उनके साथ मजबूती से खड़ा है।

लखपति बीमा सखियों के सम्मान से बढ़ा महिलाओं का उत्साह आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में धमतरी की नई पहल

धमतरी, 7 नवंबर। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, उन्हें सम्मानजनक आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने तथा वित्तीय सेवाओं से जोड़ने की दिशा में जिला प्रशासन धमतरी और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के संयुक्त प्रयासों से आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में एलआईसी बीमा सखी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा एवं भारतीय जीवन बीमा निगम के वरिष्ठ प्रबंधक की गरिमामयी उपस्थिति में उत्कृष्ट कार्य करने वाली लखपति बीमा सखी दीदियों को प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की गई।

धमतरी जिले में महिला स्वावलंबन की दिशा में इस पहल के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। जिले में वर्तमान में 150 लखपति बीमा सखियां कार्यरत हैं, जिनमें से उत्कृष्ट कार्य एवं उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली 70 बीमा सखी दीदियों को समारोह में सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि ग्रामीण महिलाओं की मेहनत, लगन, उद्यमशीलता और आत्मनिर्भर बनने के संकल्प को दर्शाती है।

कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं की उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करना, उन्हें स्वरोजगार के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना तथा ग्रामीण अंचलों में जीवन बीमा एवं वित्तीय सुरक्षा के प्रति जागरूकता का विस्तार करना है। बीमा सखी के रूप में महिलाएं न केवल स्वयं की आय अर्जित कर रही हैं, बल्कि अपने गांव और आसपास के क्षेत्रों के परिवारों को भी भविष्य की आर्थिक सुरक्षा के प्रति जागरूक कर रही हैं। इस अवसर पर कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने कहा कि महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता किसी भी समाज के समग्र विकास का महत्वपूर्ण आधार है। जब एक महिला आर्थिक रूप से सशक्त होती है, तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार और आने वाली पीढ़ियों पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि बीमा सखी के रूप में ग्रामीण महिलाएं घर-परिवार की जिम्मेदारियों के साथ-साथ आजीविका के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बना रही हैं। यह केवल आय अर्जित करने का माध्यम नहीं है, बल्कि महिलाओं में आत्मविश्वास, निर्णय लेने की क्षमता और सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ाने का भी प्रभावी अवसर है।

मुख्यमंत्री ज्ञान प्रोत्साहन योजना अंतर्गत विद्यार्थियों की अंतरिम मेरिट सूची जारी

राजनांदगांव 7 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मुख्यमंत्री ज्ञान प्रोत्साहन योजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित कक्षा 10वीं की परीक्षा में मेरिट के आधार पर चयनित विद्यार्थियों के पंजीयन एवं सत्यापन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। योजना अंतर्गत अनुसूचित जनजाति वर्ग के 200 विद्यार्थियों की अंतरिम मेरिट सूची जारी की गई है। इस संबंध में सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को अपने अधिनस्थ विकासखंड संकूल एवं स्कूलों में जारी अंतरिम मेरिट सूची का प्रचार-प्रसार करने तथा प्राप्त दावा-आपत्तियों का निराकरण 10 नवम्बर 2026 से पूर्व सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

पोटेमडगु गांव में एक ही दिन में मिलीं विभिन्न शासकीय ऑनलाइन सेवाएं

सुकमा, 7 नवंबर। कलेक्टर श्री अमित कुमार के मार्गदर्शन में ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय योजनाओं एवं डिजिटल सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कोंटा विकासखंड में स्थित एलमगुंडा पंचायत के अंतर्गत पोटेमडगु गांव में विशेष डिजिटल सेवा अभियान संचालित किया गया। प्रशासन की इस पहल के तहत ग्रामीणों को एक ही दिन में विभिन्न महत्वपूर्ण शासकीय ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। अटल डिजिटल सुविधा केंद्र चिंतागुफा के माध्यम से ग्रामीणों को उनके आवश्यक दस्तावेज बनवाने की सुविधा गांव के नजदीक उपलब्ध कराई गई, जिससे उन्हें इन कार्यों के लिए दूर-दराज के कार्यालयों तक जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर मो. शाहिद ने बताया कि अभियान के दौरान कुल 22 हितग्राहियों को विभिन्न सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया। इसमें 10 ग्रामीणों का नया आधार पंजीयन, 10 ऑनलाइन जन्म प्रमाण पत्र, 01 आयुष्मान कार्ड तथा 01 वोटर आईडी कार्ड बनाने की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई। एक ही दिन में इतनी महत्वपूर्ण सेवाओं का लाभ मिलने से ग्रामीणों को समय और श्रम की बचत के साथ शासकीय प्रक्रियाओं को सहजता से पूरा करने का अवसर मिला। जिला प्रशासन की यह पहल दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों में डिजिटल सेवाओं की पहुंच बढ़ाने, शासकीय योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा नागरिक सुविधाओं को सरल और सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। प्रशासन का उद्देश्य है कि तकनीक के माध्यम से ग्रामीणों को उनके गांव और घर के नजदीक ही आवश्यक शासकीय सेवाएं उपलब्ध हों, ताकि विकास की मुख्यधारा से प्रत्येक नागरिक को जोड़ा जा सके।गांव में ही सेवाएं, एक ही दिन में समाधान और ग्रामीणों के समय की बचत-सुशासन एवं डिजिटल सशक्तीकरण की दिशा में सुकमा जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता का परिचायक है।

धान खरीदी की तैयारी में लापरवाही जरा भी बर्दाश्त नहीं,किसानों की सुविधा सुनिश्चित करें : कलेक्टर

एमसीबी 7 नवंबर। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों, लंबित जनशिकायतों तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों और आम नागरिकों से जुड़े प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। आगामी धान खरीदी को देखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने तथा उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों और शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

जनशिकायतों का वास्तविक समाधान सुनिश्चित करें

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री जनदर्शन, प्रधानमंत्री पोर्टल, कलेक्टर जनदर्शन, पारस पोर्टल एवं लोक सेवा केंद्र से संबंधित लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का केवल औपचारिक निराकरण न करें, बल्कि आवेदकों की समस्याओं का वास्तविक एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करें। सभी लंबित प्रकरणों की जानकारी संबंधित पोर्टल पर समय पर अपडेट करने और निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए।

किसानों के लंबित बैंक प्रकरणों और केसीसी का शीघ्र निराकरण करें

कृषि एवं पशुपालन विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), बैंक ऋण एवं अन्य लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बैंक और विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें, ताकि किसानों व पशुपालकों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में अनावश्यक परेशानी न हो।

पशुपालन विभाग की समीक्षा में बताया गया कि बैकयार्ड कुक्कुट पालन योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में 470 तथा वर्ष 2026-27 में 468 हितग्राहियों को लक्ष्य के अनुरूप लाभान्वित किया गया है। इसी प्रकार सूकर त्रयी योजना में 22, अनुदान पर नर बकरा वितरण योजना में 33 तथा उन्नत मादा वत्स पालन योजना में 40 हितग्राहियों को लाभ प्रदान किया गया है। कलेक्टर ने पशुपालन आधारित स्वरोजगार योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

पीएम किसान योजना में शेष पात्र किसानों का पंजीयन शीघ्र पूरा करें

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा में बताया गया कि जिले के कुल 46,095 किसानों में से 38,129 किसानों का पंजीयन किया जा चुका है, जो 82.71 प्रतिशत है। वहीं 28,234 सक्रिय पीएम किसान हितग्राहियों में से 23,462 किसानों का एग्रीस्टैक एवं फार्मर आईडी पंजीयन दर्ज किया गया है। कलेक्टर ने शेष पात्र किसानों का पंजीयन शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ 2026 में 35,499 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि खरीफ 2025 में 29,531 आवेदन प्राप्त हुए थे। इसी प्रकार बीमित रकबा 13,773 हेक्टेयर से बढ़कर 16,420 हेक्टेयर हो गया है। कलेक्टर ने फसल बीमा के प्रति किसानों को जागरूक करने और अधिक से अधिक पात्र किसानों को योजना से जोड़ने पर जोर दिया।

फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने का काम करें

कृषक उन्नति योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने एकीकृत किसान पोर्टल पर पात्र किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करने तथा फसल विविधीकरण के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि योजना के प्रावधानों के अनुसार धान के स्थान पर अन्य फसल लेने वाले किसानों को प्रति एकड़ 15 हजार रुपये तथा धान के अतिरिक्त अन्य फसल लेने वाले किसानों को प्रति एकड़ 10 हजार रुपये की सहायता का प्रावधान है। उन्होंने किसानों को योजना की जानकारी उपलब्ध कराने और पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

धान खरीदी से पहले बारदानों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करें

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने बारदानों की उपलब्धता, संग्रहण एवं वितरण की जानकारी ली। विभागीय विवरण के अनुसार खड़गवां विकासखंड एवं नगर पालिक निगम चिरमिरी क्षेत्र की 81 उचित मूल्य दुकानों में अप्रैल से नवम्बर 2026 तक कुल 1,68,180 बारदानों की आवश्यकता दर्ज की गई है।

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की हुई समीक्षा

बालोद, 7 नवंबर। जिला पंचायत बालोद की सामान्य सभा की बैठक विगत 05 नवंबर को जिला पंचायत सभागार में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती तारिणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री तोमन साहू, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुनील कुमार चंद्रवंशी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सर्वप्रथम पूर्व बैठक में लिए गए निर्णयों एवं निर्देशों के पालन प्रतिवेदन पर चर्चा की गई। इसके पश्चात सहकारिता, कृषि, विद्युत, खनिज, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की विभागवार समीक्षा की गई। बैठक में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, आम नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं तथा विभागीय कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। साथ ही संबंधित अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन एवं विभागीय गतिविधियों की जानकारी ली गई।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, राजनांदगांव (छ.ग.)

//ई- निविदा सूचना 2nd call//

क्र.495/लोक-11/2026-27 राजनांदगांव दिनांक 06/11/2026

नगर पालिक निगम, राजनांदगांव में निम्न कार्य हेतु आन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

स. क्र.	सिस्टम टेण्डर नं.	कार्य का नाम	लागत राशि लाख रुपये में	आनलाईन निविदा भरने की अंतिम तिथि
1	203566	ग्रुप क्रमांक A अंतर्गत वार्ड नं.20,32 में सफाई ठेका कार्य (27 मानव बल एवं समस्त सामग्री सहित)	46.98	11.11.2026
2	203567	ग्रुप क्रमांक B अंतर्गत वार्ड नं.45,51 में सफाई ठेका कार्य (27 मानव बल एवं समस्त सामग्री सहित)	46.98	11.11.2026
3	203570	ग्रुप क्रमांक C अंतर्गत वार्ड नं. 02,03 में सफाई ठेका कार्य (18 मानव बल एवं समस्त सामग्री सहित)	27.70	11.11.2026
4	203569	ग्रुप क्रमांक D अंतर्गत वार्ड नं. 47,49 में सफाई ठेका कार्य (18 मानव बल एवं समस्त सामग्री सहित)	31.32	11.11.2026

उपरोक्त कार्यों की निविदा से संबंधित सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय, नगर पालिक निगम, राजनांदगांव के (लोक कर्म शाखा) एवं वेबसाईड www.mcrjn.com https: //eproc.cgstate.gov.in से प्राप्त की जा सकती है। उक्त निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन, शुद्धिकरण एवं अमेडमेन्ट हेतु पृथक से विज्ञापन जारी नहीं किया जावेगा। वेबसाईड में ही प्रकाशित किया जावेगा।

आयुक्त,
नगर पालिक निगम, राजनांदगांव

प्रदेशवासियों एवं समस्त क्षेत्र वासियों को
दीपावली हार्दिक
भाईदूज की बधाई
शुभ दीपावली
माया
ज्वेलर्स एंड फाइनेन्सर्स
जवाहर मार्केट के पीछे, चावल लाईन,
सोनार गली, पावर हाऊस, भिलाई (छ.ग.)
प्रो. अशोक जाधव
सभी प्रकार के सोने-चांदी के आभूषणों के विक्रेता

प्रदेशवासियों एवं समस्त क्षेत्र वासियों को
दीपावली हार्दिक
भाईदूज की बधाई
संजय चन्द्रवंशी
अध्यक्ष, लखनपुर उप क्षेत्र
चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज कवर्धा

प्रदेशवासियों एवं समस्त क्षेत्र वासियों को
दीपावली हार्दिक
भाईदूज की बधाई
सुनील दोषी
सदस्य हरीतिमा टीम कवर्धा

प्रदेशवासियों एवं समस्त क्षेत्र वासियों को
दीपावली हार्दिक
भाईदूज की बधाई
लक्की चन्द्रवंशी
पूर्व डायरेक्टर
भोरमदेव शक्कर कारखाना
कवर्धा

प्रदेशवासियों एवं समस्त क्षेत्र वासियों को
दीपावली हार्दिक
भाईदूज की बधाई
प्रताप चन्द्रवंशी
वरिष्ठ नेता, भाजपा

प्रदेशवासियों एवं समस्त क्षेत्र वासियों को
दीपावली हार्दिक
भाईदूज की बधाई
आनंद चन्द्रवंशी
युवा बिजनेसमैन कवर्धा

शुभ दीपावली
जिलेवासियों एवं प्रदेशवासियों को
दीपावली एवं छठ पर्व
की हार्दिक बधाई
SHUKLA INDUSTRIES
ANCILLARY TO - SAIL, BHILAI STEEL PLANT
Plot No. 68/8 Light Industrial Area Bhilai-490 026 (C.G.)
Email ashuklaindustries@yahoo.com
Ph(0) 0788-4030179, Mob 9302830294,9131072456

समस्त क्षेत्रवासियों को दीपावली व
छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं
साहू मेडिकल हॉल
VETERINARY MEDICINE CENTER
डॉग मेडिसीन व डॉग अर्टीकल की संपूर्ण रेंज उपलब्ध
कैट फूड
फिस फूड
कछुओं की फूड
संबंधित प्रष्ठिान साहू
पेट वर्ल्ड (पेट आर्टिकल्स
एवं पेट फूड्स के विक्रेता)
मौर्या सिनेमा के सामने, कांट्रेक्टर कालोनी,सुपेला,भिलाई
मो.6264786903,8823830307

प्रदेशवासियों एवं समस्त क्षेत्र वासियों को
दीपावली हार्दिक
भाईदूज की बधाई
Mehta
Steels
Stockies of Iron & Steel
137, Light Industrial area
Bhilai- 490026 (CG) India
Phone: + 91 788 2352148, 2286568
Fax: 91 788 2286268
E-mail mehta_steels@rediffmail.com
Ankit Mehta
(Director Marketing)

प्रदेशवासियों एवं समस्त क्षेत्र वासियों को
दीपावली हार्दिक
भाईदूज की बधाई
श्री कला जनरल इंजीनियरिंग
वर्क्स लाइट इंडस्ट्रियल
एरिया, भिलाई
शुभ दीपावली
अमित पाण्डेय
प्रबंध निदेशक

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26